Mkd ithdj.k l[;k j/RNP/01/2023-25

卐 RNI NO. UPHIN/2009/27689 卐

राष्ट्रीय निष्पक्ष, निर्भीक हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

वर्ष : 18 अंक :211 (हिन्दी दैनिक) जौनपुर बुधवार 19 अगस्त, 2026 पृष्ठ- 08 मूल्य- 2.00 रुपया

पीआरडी जवानों को मुख्यमंत्री योगी की बड़ी सौगात

ड्यूटी भत्ता 500 से बढ़ाकर 600 रुपये और हर साल पांच लाख तक मुफ्त इलाज

गोरखपुर, लखनऊ18 अगस्त एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों को बड़ी सौगात देते हुए उनके दैनिक ड्यूटी भत्ते में वृद्धि की घोषणा की। अब पीआरडी स्वयंसेवकों को 500 रुपये के स्थान पर प्रतिदिन 600 रुपये ड्यूटी भत्ता मिलेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवकों ने कानून–व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, यातायात संचालन, चुनाव ड्यूटी और विभिन्न महत्वपूर्ण आयोजनों में पुलिस एवं प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उनके योगदान और सेवाभाव को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है।योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा के कार्ड वितरित कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों को वर्ष 2019 तक मात्र 250 रुपये प्रतिदिन ड्यूटी भत्ता मिलता था। वर्ष 2019 में इसे बढ़ाकर 375 रुपये, वर्ष 2022 में 395 रुपये और वर्ष 2025 में बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन किया गया। अब एक बार फिर इसमें वृद्धि करते हुए ड्यूटी भत्ता 600 रुपये प्रतिदिन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीआरडी के 75 वर्षों के इतिहास में ड्यूटी भत्ता 250 रुपये तक ही पहुंच पाया था, जबकि पिछले आठ वर्षों में यह 250 रुपये से बढ़कर 600 रुपये होने जा रहा है। यह वृद्धि सौ प्रतिशत से भी अधिक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में पीआरडी स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पुलिस और प्रशासन के सहयोग में पीआरडी जवान पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले पीआरडी जवानों को नियमित रूप से ड्यूटी नहीं मिलती थी, लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। पीआरडी के महत्व को समझते हुए सरकार ने उनकी भूमिका को व्यापक बनाया है और अब कई अवसरों पर ड्यूटी के लिए जवान कम पड़ जाते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राकृतिक आपदा हो या महाकुंभ, दीपोत्सव, रंगोत्सव, यातायात व्यवस्था हो या चुनाव ड्यूटी, पीआरडी स्वयंसेवकों ने हर जिम्मेदारी को अनुशासन, सेवाभाव और समर्पण के साथ पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पीआरडी जवानों के योगदान को सम्मान देते हुए उनके कल्याण के लिए लगातार कदम उठा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवकों और उनके परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय उनके प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत प्रदेश के 31 हजार से अधिक पीआरडी स्वयंसेवकों को सरकारी तथा सरकार से संबद्ध अस्पतालों में प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। परिवार के सदस्यों को शामिल करने पर इस योजना से 1.55 लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। इससे पीआरडी जवानों और उनके परिवारों को गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी और उन्हें बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी जवानों ने प्रदेश की प्रगति और जनसेवा में निरंतर योगदान दिया है। सरकार का प्रयास है कि उनके कार्य की परिस्थितियों में सुधार के साथ–साथ उनके सामाजिक और आर्थिक हितों का भी ध्यान रखा जाए।

कैप्टिव एलिफेंट की सुरक्षा के लिए रेगुलेटरी सिस्टम मजबूत करे केंद्र,सुप्रीम कोर्ट ने डीएमए प्रोफाइल पर मांगी विस्तृत रिपोर्ट

अदालत ने कहा, हम धार्मिक अधिकारों या व्यक्तिगत अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। हमें धार्मिक अधिकारों के साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से व्यवहार करना होगा। अदालत ने कहा कि जहां हाथियों को मंदिरों में रखा जाता है, वहां भी उनके उपयोग को विनियमित किया जाना चाहिए और उनके कल्याण को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली 18 अगस्त एजेंसी)सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र और कैप्टिव एलिफेंट हेल्थ एंड वेलफेयर कमिटी को निर्देश दिया कि वे देश भर में कैद में रखे गए हाथियों की देखभाल, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए रेगुलेटरी सिस्टम को मजबूत करने के कदम उठाएं।कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से कैद में रखे गए हाथियों की क्छ। प्रोफाइलिंग पर रिपोर्ट भी मांगी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हाथियों की मेडिकल देखभाल के लिए एक असरदार और पारदर्शी सिस्टम सुनिश्चित करें। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ वन्यजीव बचाव एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा बंदी हाथियों के कल्याण से संबंधित दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।अदालत को सूचित किया गया कि 2018 में हाथियों की सुरक्षा के संबंध में न्यायालय के पूर्व आदेश के अनुपालन में की गई नवीनतम जनगणना में 27 राज्यों में 2,725 बंदी हाथी पाए गए, जिनमें निजी व्यक्तियों, मंदिरों, चिड़ियाघरों, सर्कसों, पुनर्वास केंद्रों, वन विभागों और पर्यटन संचालकों द्वारा रखे गए हाथी शामिल हैं।याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई हाथियों को वैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लंघन करते हुए बंदी बनाकर रखा जा रहा है और कई हाथियों के निजी कब्जे में आने के स्रोत और तरीके का उचित दस्तावेजीकरण नहीं किया गया है।जनहित याचिका में हाथियों की अवैध बिक्री और हस्तांतरण तथा वाणिज्यिक, धार्मिक और मनोरंजक उद्देश्यों के लिए उनके उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता परमेश्वर ने कहा कि याचिका केरल में मंदिर के हाथियों से संबंधित धार्मिक अनुष्ठानों में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने त्योहारों के मौसम में इस अदालत का रुख किया है। परमेश्वर ने कहा, ष्केरल एकमात्र ऐसा राज्य है जहां प्रत्येक बंदी हाथी को रेडियो टैग किया गया है ताकि उसकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके। अदालत ने कहा कि इस मुद्दे पर उसका ध्यान इस बात पर है कि बंदी हाथियों के उचित आवास, चिकित्सकीय जांच और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए एक समान तंत्र की आवश्यकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह मंदिरों में हाथियों के उपयोग से जुड़े धार्मिक अधिकारों की जांच नहीं कर रही है।अदालत ने कहा, हम धार्मिक अधिकारों या व्यक्तिगत अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। हमें धार्मिक अधिकारों के साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से व्यवहार करना होगा। अदालत ने कहा कि जहां हाथियों को मंदिरों में रखा जाता है, वहां भी उनके उपयोग को विनियमित किया जाना चाहिए और उनके कल्याण को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा दिव्यता के प्रति सम्मान हाथी तक भी विस्तारित होना चाहिए।

सीएम धामी का विजन: उत्तराखण्ड में 'खेल महाकुंभ' 2026 से तराशी जाएगी ग्रामीण खेल प्रतिभा और युवा शक्ति

न्याय पंचायत स्तर पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों की खेल प्रतियोगिताएं 1 से 10 सितंबर, 2026 तक आयोजित की जाएंगी। विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विधायक चैंपियनशिप ट्राफी प्रतियोगिताएं 11 से 20 सितंबर तक और उसके बाद संसदीय क्षेत्र स्तर पर सांसद चैंपियनशिप ट्राफी प्रतियोगिताएं 21 से 30 सितंबर तक आयोजित होंगी। बयान के मुताबिक, राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्राफी प्रतियोगिताएं 10 सितंबर से 30 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

नई दिल्ली 18 अगस्त एजेंसी)उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि श्खेल महाकुंभश आयोजित करने का मकसद उत्तराखंड के युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देना, ग्रामीण और दूर–दराज के इलाकों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच देना और उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के मौके देना है। जारी बयान के अनुसार, युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के दौरान ष्खेल महाकुंभ–2026 – मुख्यमंत्री चौंपियनशिप ट्रॉफीष के तहत प्रतियोगिताओं के आयोजन का खाका तैयार कर लिया है। खेल महाकुंभ का आयोजन न्याय पंचायत, विधानसभा क्षेत्र, संसदीय क्षेत्र और राज्य स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से किया जाएगा।न्याय पंचायत स्तर पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों की खेल प्रतियोगिताएं 1 से 10 सितंबर, 2026 तक आयोजित की जाएंगी। विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विधायक चौंपियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 11 से 20 सितंबर तक और उसके बाद संसदीय क्षेत्र स्तर पर सांसद चौंपियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 21 से 30 सितंबर तक आयोजित होंगी। बयान के मुताबिक, राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चौंपियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 10 सितंबर से 30 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित की जाएंगी।न्याय पंचायत स्तर पर, 14 साल से कम और 19 साल से कम उम्र के लड़के–लड़कियों के लिए कबड्डी, एथलेटिक्स, खो–खो और मुर्गा झपट्टा जैसे मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। विधानसभा स्तर पर, सीधे तौर पर वॉलीबॉल और पिट्ठू के मुकाबले होंगे, साथ ही न्याय पंचायत स्तर से चुने गए खिलाड़ियों के बीच भी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

सीएम हिमन्त सोरेन के फैसले पर झारखण्ड के छात्र सहमत, वापस लिया विरोध प्रदर्शन

झारखंड के छात्रों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के घर का घेराव करने का अपना विरोध प्रदर्शन रद्द कर दिया है। यह कदम राज्य सरकार द्वारा 2014 से आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं, जिनमें JSSC-CGL भी शामिल है, को रद्द करने की घोषणा के बाद उठाया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भर्ती प्रक्रिया में सुधार के लिए एक समिति के गठन की भी घोषणा की है, जो छात्र विरोध की मुख्य मांगों में से एक थी।

नई दिल्ली 18 अगस्त एजेंसी)झारखंड के छात्रों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास के घेराव का अपना प्लान रद्द कर दिया। यह फैसला राज्य सरकार द्वारा 2014 से आउटसोर्स एजेंसी के जरिए आयोजित भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद लिया गया। भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन की अगुवाई कर रहे श्रैब्–श्रै रिफॉर्म्स मंच ने मुख्यमंत्री आवास के घेराव का प्लान बनाया था और राज्य भर के छात्रों से रांची में इकट्ठा होने की अपील की थी।यह विरोध प्रदर्शन खत्म करने का फैसला राज्य सरकार द्वारा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग–संयुक्त स्नातक स्तर (श्रैब्–ब्लर) परीक्षा और 2014 से आउटसोर्स एजेंसी ऋ डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (ज्क्ब्) द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के बाद लिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को राज्य सचिवालय में कैबिनेट की एक लंबी बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की थी।सोरेन ने पत्रकारों से कहा कि सरकार ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग–संयुक्त स्नातक स्तर (श्रैब्–ब्लर) परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया है, जो विरोध कर रहे छात्रों की मुख्य मांगों में से एक थी। हमने आउटसोर्स एजेंसी ऋ डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (ज्क्ब्) द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं और उसके द्वारा जारी नतीजों को भी रद्द करने का फैसला किया है। सरकार ने भर्ती परीक्षा प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उपाय सुझाने के लिए सीनियर ।ै अधिकारी अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में एक परीक्षा सुधार समिति भी बनाई है।श्रैब्–श्रै रिफॉर्म्स मंच 25 जुलाई से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में विरोध प्रदर्शन कर रहा है और विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कथित गड़बड़ियों की ब्ठप् जांच और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी श्रडड–कांग्रेस गठबंधन उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई करने में नाकाम रहा है।

तमिल नाडू सीएम विजय और अभिनेत्री तिशा कृष्णन को लेकर नया विवाद

डीएमके के आधिकारिक मुखपत्र 'मुरासोली', जिसकी स्थापना पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने की थी, उसने सवाल उठाया कि क्या किसी आधिकारिक स्वतंत्रता दिवस समारोह में एक अभिनेत्री को इस तरह पहली पंक्ति में बैठाना और मुख्यमंत्री के साथ इस तरह सलामी का आदान–प्रदान करना उचित था।

नई दिल्ली 18 अगस्त एजेंसी)तमिलनाडु की सियासत में स्वतंत्रता दिवस का मंच इस बार राष्ट्रध्वज, विकास और भ्रष्टाचार के मुद्दों से ज्यादा एक फिल्मी चेहरे और राजनीतिक तंज का अखाड़ा बन गया। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन की मौजूदगी को लेकर डीएमके के मुखपत्र 'मुरासोली' ने ऐसा हमला बोला है, जिसने सत्ता और विपक्ष के बीच पहले से गर्म राजनीतिक माहौल में एक नया मसाला डाल दिया है।हम आपको बता दें कि चेन्नई के फोर्ट सेंट जॉर्ज में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान त्रिशा को पहली कतार में बैठाया गया था। वह विजय के माता–पिता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ बैठी नजर आईं। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री जब आधिकारिक दायित्व निभाते हुए आगे बढ़े तो त्रिशा ने उन्हें सलामी दी और दोनों के बीच सलामी के आदान–प्रदान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बस फिर क्या था, डीएमके के राजनीतिक तीर सीधे मुख्यमंत्री की ओर चल पड़े।डीएमके के आधिकारिक मुखपत्र 'मुरासोली', जिसकी स्थापना पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने की थी, उसने सवाल उठाया कि क्या किसी आधिकारिक स्वतंत्रता दिवस समारोह में एक अभिनेत्री को इस तरह पहली पंक्ति में बैठाना और मुख्यमंत्री के साथ इस तरह सलामी का आदान–प्रदान करना उचित था। संपादकीय ने इसे लेकर बेहद तीखी भाषा का इस्तेमाल किया

वाई एस जगन का आंध्र सरकार पर दबाव

लापता मछली पकडनेवाले की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन तेज करने की मांग

YSR कांग्रेस पार्टी के अनुसार, ये मछुआरे डा. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले के अल्लावरम मंडल के ओडलारेवु, डुम्मलापेटा और वसालाटिप्पा गांवों के रहने वाले हैं।

नई दिल्ली 18 अगस्त एजेंसी)आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और ल्ै कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ल्ै जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को आठ मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव के लापता होने पर चिंता जताई। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह उन्हें खोजने के लिए तलाशी अभियान तेज करे और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। ल्ै कांग्रेस पार्टी के अनुसार, ये मछुआरे डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले के अल्लावरम मंडल के ओडलारेवु, डुम्मलापेटा और वसालाटिप्पा गांवों के रहने वाले हैं।जारी बयान के अनुसार, उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह तलाशी अभियान तेज करे और मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करे।जगन ने कहा कि मछुआरों के परिवार बहुत परेशान हैं क्योंकि कई दिनों से उनकी कोई खबर नहीं मिली है। उन्होंने सरकार से अपील की कि लापता मछुआरों और उनकी नाव का पता लगाने के लिए युद्ध स्तर पर खोज अभियान चलाया जाए।उन्होंने सरकार से कहा कि खोज अभियान में कोस्ट गार्ड, नेवी, मत्स्य विभाग और जिला प्रशासन को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि खोज का दायरा बढ़ाने के लिए समुद्र में मौजूद सभी उपलब्ध टेक्नोलॉजी और कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। वाईएस जगन ने काकीनाडा, विशाखापत्तनम और पारादीप जैसे इलाकों सहित तट के पास चल रही मछली पकड़ने वाली नावों और अन्य जहाजों से भी सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि जब तक लापता नाव और मछुआरों का पता नहीं चल जाता, तब तक लगातार कोशिशें की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह सभी आठ मछुआरों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने सभी विभागों से तालमेल बिठाकर काम करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि जब तक उनके बारे में पता न चल जाए, तब तक खोज अभियान में कोई ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने सरकार से यह भी आग्रह किया कि इस मुश्किल समय में लापता मछुआरों के परिवारों का साथ दे।उन्होंने अधिकारियों को खोज तेज करने और नाव व मछुआरों का पता चलने तक कोशिशें जारी रखने का निर्देश दिया। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, ष्माननीय मुख्यमंत्री श्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने आज कोनासीमा जिले के अल्लावरम मंडल के ओडालारेवु, डुम्मालापेटा और वसालाटिप्पा गांवों के मछुआरों की नाव के समुद्र में लापता होने की घटना की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से नाव पर सवार आठ मछुआरों की सुरक्षा के लिए चल रहे खोज अभियान के बारे में जानकारी ली।आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और ल्ै कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ल्ै जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को आठ मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव के लापता होने पर चिंता जताई। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह उन्हें खोजने के लिए तलाशी अभियान तेज करे और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। ल्ै कांग्रेस पार्टी के अनुसार, ये मछुआरे डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले के अल्लावरम मंडल के ओडलारेवु, डुम्मलापेटा और वसालाटिप्पा गांवों के रहने वाले हैं।उन्होंने सरकार से कहा कि खोज अभियान में कोस्ट गार्ड, नेवी, मत्स्य विभाग और जिला प्रशासन को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि खोज का दायरा बढ़ाने के लिए समुद्र में मौजूद सभी उपलब्ध टेक्नोलॉजी और कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। वाईएस जगन ने काकीनाडा, विशाखापत्तनम और पारादीप जैसे इलाकों सहित तट के पास चल रही मछली पकड़ने वाली नावों और अन्य जहाजों से भी सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि जब तक लापता नाव और मछुआरों का पता नहीं चल जाता, तब तक लगातार कोशिशें की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह सभी आठ मछुआरों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने सभी विभागों से तालमेल बिठाकर काम करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि जब तक उनके बारे में पता न चल जाए, तब तक खोज अभियान में कोई ढिलाई न बरती जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की फांसी से मृत्युदंड देने की याचिका, केंद्र को समीक्षा की छूट

नई दिल्ली 18 अगस्त एजेंसी)उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मृत्युदंड के मामलों में दोषी को फांसी पर लटकाकर मौत देने की मौजूदा व्यवस्था को समाप्त करने और उसकी जगह कम पीड़ादायक तरीकों, जैसे नस के जरिए घातक इंजेक्शन देने को अपनाने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि उसका फैसला केंद्र सरकार को इस बात की व्यापक समीक्षा करने से नहीं रोकता कि वर्तमान में मृत्युदंड देने की जो व्यवस्था है, उसके स्थान पर कोई वैकल्पिक तरीका अपनाया जा सकता है या नहीं। इसके लिए केंद्र किसी विशेषज्ञ समिति का गठन कर सकता है।इसका उद्देश्य यह देखना होगा कि दोषी को अनावश्यक पीड़ा से बचाने और उसकी गरिमा बनाए रखने के संवैधानिक उद्देश्य को कौन–सा वैकल्पिक तरीका बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है। पीठ ने यह फैसला वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा की ओर से 2017 में दायर याचिका पर सुनाया। याचिका में कानून से मृत्युदंड पाए दोषियों को फांसी से मौत देने की मौजूदा व्यवस्था को हटाने का अनुरोध किया गया था।

हिन्दी दैनिक
जन विचार प्रवाह

हमारी संस्कृति एवं परम्परा है कुश्ती दिनेश फौजी राष्ट्रीय महासचिव

जौनपुर। धर्मापुर विकास खण्ड के ग्रामसभा कबीरूद्दनपुर में कुश्ती दंगल प्रतियोगिता हुई जहां बतौर अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल

भारतीय यादव महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश यादव फौजी एवं जिला पंचायत सदस्य बृजेश यादव जनता ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर कुश्ती प्रारम्भ करवाया।इस मौके पर दिनेश यादव फौजी ने कहा कि कुश्ती हमारी संस्कृति और परम्परा को बरकरार रखी हुई है। कुश्ती से जनपद के पहलवानों ने देश और विदेश में अपना नाम रोशन किया है। कुश्ती से जहां शारीरिक फिटनेस और मानसिक मजबूती मिलती है, वहीं पहलवान कुश्ती के बल पर मेडल जीतकर जनपद प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं।बता दें कि यह आयोजन ग्राम प्रधान वीरेन्द्र यादव ने करवाया जहां नरेंद्र यादव, प्रधान नीरज यादव, प्रधान अनिल यादव फौजी, प्रधान राज बहादुर, पहलवान सिकन्दर, पहलवान राजेश यादव, राकेश यादव, कुश्ती कोच सुभाष यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

स्थायी लोक अदालत में विवाद का समाधान तलाशने का अवसर मिलता है:अरविन्द कुमार

संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल

फिरोजाबाद । जनपद न्यायालय परिसर में मंगलवार को स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली एवं मध्यस्थता प्रक्रिया के संबंध में अधिवक्ताओं हेतु संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिवक्ताओं को स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली, अधिकारिता एवं उपयोगिता के साथ–साथ मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम में अरविंद कुमार सिंह प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, मुकेश कुमार सिंघल, अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत तथा योगेश शिवा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जनपद के अधिवक्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्थायी लोक अदालत की भूमिका एवं उसके उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया गया कि लोक उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के सरल, त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में स्थायी लोक अदालत एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक विवाद समाधान मंच है। अधिवक्ताओं को स्थायी लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकने वाले प्रकरणों तथा प्री–लिटिगेशन स्तर पर विवादों के समाधान की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।इसके साथ ही मध्यस्थता प्रक्रिया के महत्व पर विशेष जोर देते हुए बताया गया कि मध्यस्थता पक्षकारों के मध्य संवाद, आपसी समझ एवं विश्वास को बढ़ावा देने वाली प्रभावी प्रक्रिया है, जिसमें पक्षकारों को अपनी सहमति से विवाद का समाधान तलाशने का अवसर मिलता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान होने के साथ–साथ पक्षकारों के समय एवं संसाधनों की बचत होती है तथा न्यायालयों में लंबित वादों के भार को कम करने में भी सहायता मिलती है।

कार्यक्रम मेंअधिवक्ताओं से आह्वान किया गया कि वे अपने मुवक्किलों को उपयुक्त मामलों में स्थायी लोक अदालत एवं मध्यस्थता जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान के प्रभावी माध्यमों के संबंध में जागरूक करें तथा आपसी संवाद एवं सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान के लिए प्रेरित करें। अधिवक्ताओं द्वारा कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श किया गया तथा अपनी जिज्ञासाएं रखी गईं।कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विवादों का समाधान केवल निर्णय के माध्यम से ही नहीं, बल्कि संवाद, समझ और सहमति के माध्यम से भी संभव है। स्थायी लोक अदालत एवं मध्यस्थता की प्रभावी व्यवस्था के माध्यम से आमजन को सुलभ, त्वरित एवं कम खर्चीला न्याय उपलब्ध कराने में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्वतंत्रता दिवस की श्रृंखला के तहत एक तिरंगा यात्रा निकाली

अमेठी,संवाददाता)। जगदीशपुर में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस की श्रृंखला के तहत एक तिरंगा यात्रा निकाली गई। अमेठी यूथ एंड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा आयोजित इस यात्रा में विभिन्न वर्गों के लोगों, स्कूली छात्रों और मदरसे के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यह यात्रा दोपहर एक बजे डाक बंगला ब्लॉक से शुरू होकर सरकारी अस्पताल पर समाप्त हुई।

दबंग ने सरेआम दो युवकों का गला रेतकर हत्या का किया प्रयास

हमीरपुर स शहर के विद्या मंदिर मार्ग पर सोमवार की देर रात युवकों में मारपीट के बाद चाकूबाजी हो गई। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से एक युवक की गर्दन चाकू के वार से कट गई है, जिसे लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को कानपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने दो युवकों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। शहर के किंग रोड बीज गोदाम निवासी मोहम्मद सैफ अपने साथी उवैस के साथ सोमवार की रात करीब 11 बजे के आसपास श्री विद्या मंदिर रोड से जा रहा था।तभी उनका किंग रोड निवासी शहजाद उर्फ बउआ और रमेड़ी मांझखेर निवासी टिंकू प्रजापति से सामना हो गया। जिसके बाद दोनों तरफ से कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान दोनों गुट एक दूसरे पर टूट पड़े और मारपीट के साथ चाकूबाजी शुरू हो गई। जिसमें उवैस चाकू लगने से लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। सैफ के भी सिर और चेहरे में चोटे आई हैं। दोनों घायलों को देर रात इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उवैस को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया है। घायल सैफ के पिता शकील खां ने शहजाद उर्फ बउआ और टिंकू प्रजापति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।कोतवाल रामआसरे सरोज का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

संभावित बाढ़ के दृष्टिगत जनपद में सभी तैयारियां पूर्ण, प्रशासन पूरी तरह सतर्क

हमीरपुर स संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जनपद प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अपर जिलाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में जनपद में बाढ़ की कोई स्थिति नहीं है। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि यमुना नदी का खतरे का बिंदु 103.630 मीटर तथा बेतवा नदी का खतरे का बिंदु 104.540 मीटर निर्धारित है। 18 अगस्त, 2026 को अपराह्न 12 बजे यमुना का जलस्तर 94.300 मीटर तथा बेतवा का जलस्तर 93.550 मीटर दर्ज किया गया। वर्तमान में दोनों नदियां खतरे के बिंदु से काफी नीचे प्रवाहित हो रही हैं।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि संभावित बाढ़ की दृष्टि से तहसीलवार कुल 194 गांव एवं मजरों का पूर्व से चिन्हांकन किया गया है। इनमें तहसील हमीरपुर के 91, मौदहा के 49, राठ के 20 तथा सरीला के 34 गांव शामिल हैं। बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा हेतु बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक आयोजित कर संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अतिरिक्त 11 जून, 2026 को जनपद स्तर पर वृहद संयुक्त बाढ़ मॉक एक्सरसाइज का सफल आयोजन कर विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय एवं आपदा प्रतिक्रिया तंत्र को परखा और मजबूत किया गया।राहत एवं बचाव की व्यवस्थाएं सुदृढ़इनसेट बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों के लिए नाव एवं मोटरबोट किराये पर लिए जाने की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है।जनपद में उपलब्ध 190 नावों का सत्यापन कर नाविकों से सहमति पत्र प्राप्त किए गए हैं। आपातकालीन उपयोग के लिए 25 हजार खाली बोरियां, 300 वायर क्रेट एवं 500 नायलॉन क्रेट आरक्षित रखे गए हैं। 36 बाढ़ चौकियां एवं 21 बाढ़ शरणालय तैयार जनपद में 36 बाढ़ चौकियां तथा 21 बाढ़ शरणालय चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग के लिए 100 आपदा मित्र स्वयंसेवकों एवं 27 होमगार्ड जवानों को प्रशिक्षित किया गया है। जिला प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24□7 संचालित किए जा रहे हैं। पशुधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान

इनसेट पशुओं के लिए भूसा एवं चारा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा 1.92

लाख से अधिक पशुओं का टीकाकरण कराया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्लोरीन टैबलेट, ओआरएस, ब्लीचिंग पाउडर एवं एंटी स्नेक वेनम वायल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। सभी सीएचसी एवं पीएचसी स्तर पर सचल चिकित्सा दल गठित किए गए हैं।

नाग पंचमी के अवसर पर अलरा गौरा में रामलीला का हुआ भव्य मंचन
परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने मोहा मन

मुस्करा,हमीरपुर स नाग पंचमी के पावन पर्व पर विकासखंड मुस्करा क्षेत्र के ग्राम अलरा गौरा में सोमवार की रात श्रीरामलीला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी ने फीता काटकर किया। विधायक मनीषा अनुरागी एवं ग्राम प्रधान बाबू सिंह ने भगवान श्रीराम की झांकी की आरती कर रामलीला का विधिवत शुभारंभ किया।

गांव अलरा गौरा में नाग देवता के मंदिर का इतिहास करीब पांच सौ वर्ष पुराना बताया जाता है। नाग पंचमी के अवसर पर यहां तीन दिवसीय भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें दूर–दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक पहुंचते हैं।रामलीला में दूर–दराज से आए सुप्रसिद्ध कलाकारों ने सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ तथा परशुराम–लक्ष्मण संवाद का जीवंत एवं मार्मिक मंचन किया। सीता स्वयंवर के दौरान अनेक बड़े–बड़े राजा भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाकर तोड़ने में असफल रहे। इससे राजा जनक व्यथित होकर विलाप करने लगे। राजा जनक का विलाप सुनकर दर्शक भावुक हो गए और कई लोग अपने आंसू नहीं रोक सके।

इसके बाद महर्षि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान श्रीराम ने शिव धनुष को भंग कर दिया। धनुष टूटते ही राजा जनक के चेहरे पर खुशी छा गई। सीता ने भगवान श्रीराम के गले में वरमाला डाली तो उपस्थित दर्शकों ने पुष्प वर्षा कर जयकारे लगाए।

शिव धनुष टूटने की सूचना पर भगवान परशुराम स्वयंवर सभा में पहुंचे और क्रोध प्रकट करते हुए धनुष तोड़ने वाले के बारे में पूछा। भगवान श्रीराम के विनम्र जवाब के बाद भी परशुराम का क्रोध शांत नहीं हुआ। इसी दौरान लक्ष्मण के तीखे संवादों से माहौल और भी रोमांचक हो गया। परशुराम और लक्ष्मण के बीच हुए जोरदार एवं मार्मिक संवाद ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा।

रामलीला देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और कलाकारों के शानदार मंचन की जमकर सराहना की।

पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

हमीरपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक गोयल के निर्देशन में पीआरडी जवानों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर गोरखपुर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित पीआरडी जवान सम्मेलन एवं संबंधित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं पीआरडी जवानों ने मुख्यमंत्री जी के संबोधन को देखा एवं सुना।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा पीआरडी स्वयंसेवकों के हित में ड्यूटी भत्ता छ500 प्रतिदिन से बढ़ाकर छ600 प्रतिदिन किए जाने की घोषणा की गई। इस बढ़ोतरी से प्रदेश के 31 हजार से अधिक पीआरडी जवान लाभान्वित होंगे। जनपद हमीरपुर में

कार्यरत 228 पीआरडी जवानों को भी बढ़े हुए ड्यूटी भत्ते का लाभ प्राप्त होगा।इसके साथ ही मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के अधीन कार्यरत पीआरडी स्वयंसेवकों एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026–27 में अनुपूरक अनुदान के अंतर्गत नई मांग के माध्यम से पीआरडी परिवार कल्याण योजना हेतु छ5 करोड़ का प्रावधान किया गया है।कार्यक्रम में पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए प्रस्तावित छ22.95 करोड़ की लागत से मल्टीस्टोरी बैरक के निर्माण की जानकारी भी साझा की गई। इसका निर्माण ग्राम–परवर पश्चिम, सरोजनी नगर, लखनऊ में किया जाना है। कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को नामित किया जा चुका है तथा छ4.70 करोड़ की प्रथम किस्त अवमुक्त की जा चुकी है।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह, नगर पालिका परिषद हमीरपुर के चेयरमैन कुलदीप निषाद, जिला सूचना अधिकारी सतीश कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी अजय कुमार वर्मा एवं सचिन कुमार सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी एवं पीआरडी जवान उपस्थित रहे।

पहाड़ी देव शिव धाम मंदिर में श्री राम कथा समापन पर भक्तों ने किया भंडारा

कुरारा,हमीरपुर स विकास खंड क्षेत्र के शंकरपुर गांव स्थित पहाड़ी देव शिव धाम के शिव मंदिर में एक सप्ताह से संचालित श्री राम कथा के समापन अवसर पर भक्तों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। क्षेत्र के शंकरपुर गांव के समीप प्राचीन शिव मंदिर स्थित है। इस मंदिर प्रांगण में एक सप्ताह से संचालित श्री राम कथा का संचालन बहन निशी सिंह चौहान द्वारा अपनी अमृतमयी वाणी से किया जा रहा था।समापन अवसर पर सावन के तीसरे सोमवार को नाग पंचमी मना कर विशाल भंडारा का आयोजन किया गया ।तथा

आए साधु संतों व अतिथियों को प्रसाद गृहण कराया गया। राम कथा का आयोजन पहाड़ी देव शिव धाम समिति के अध्यक्ष गणेश तिवारी,उपाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह, कोषाध्यक्ष हरदत्त राम, सदस्य अमित श्रीवास्तव, पिंटू सिंह, शरद यादव, अशोक अवस्थी, कल्लन सिंह, सूरज सिंह, रामदास, श्याम वीर , आदित्य ओम जी,रवि प्रताप,तथा जगन्नाथ त्यागी भौली व पूर्व जिला पंचायत सदस्य सौरभ यादव आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत, साथी घायल,वाहन चालक हिरासत में

मड़ियाहू जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के बड़ेरी बाजार के पास सोमवार शाम हुए सड़क हादसे में मछली शहर थाना क्षेत्र के मुजार गांव निवासी बाइक सवार जटाशंकर यादव उर्फ मिलन की मौत हो गई जबकि उसके गांव का पड़ोसी साथी विकास यादव मामूली घायल हो गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार दोनों बड़ेरी बाजार जा रहे थे। बड़ेरी स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप से करीब सौ मीटर पहले मड़ियाहूं की ओर से आ रहे तीन पहिया लोडर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए विपरीत दिशा से आ रहा था। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जटाशंकर यादव उर्फ मिलन की मौत हो गई जबकि विकास यादव मामूली घायल हो गये।मृतक के परिजन विजय बहादुर यादव की तहरीर पर बरसठी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।पुलिस ने बीएनएस की धारा 281, 106(1), 125(ए) व 125(बी) के तहत कार्रवाई शुरू की है। लोडर चालक राकेश सरोज, निवासी मरही, थाना जलालपुर को वाहन समेत हिरासत में लिया गया है। इस बाबत पूछे जाने पर थानाध्यक्ष जय प्रकाश यादव ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

श्री जीवीएम गर्ल्स इंटर कश्लेज में आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रम में पीएलवी गणेश सिंह ने दी विधिक जानकारी

सुमेरपुर, हमीरपुर। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर श्री मती वन्दना अग्रवाल के कुशल निर्देशन में मंगलवार को श्री गायत्री विद्या मंदिर बालिका इंटर कालेज सुमेरपुर में पूर्वान्ह 11 बजे से 12.30 बजे के मध्य विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पैरालीगल वॉलंटियर (पीएलवी) गणेश सिंह ने नालसा (तस्करी और व्यावसायिक यौन शोषण) योजना 2015 के संबंध में विधिक जानकारी विस्तार से दी। पीएलवी गणेश सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य तस्करी और व्यावसायिक यौन शोषण से प्रभावित कमजोर महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कानूनी सहायता, सामाजिक सुरक्षा, बचाव, मुआवजा और पुर्नवास आदि प्रदान कर मुख्य धारा में लाना है। पीएलवी गणेश सिंह ने कहा कि आगामी 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में मामलों का निःशुल्क समाधान कराकर लाभ उठाया जा सकता है। पीएलवी श्री सिंह ने आगामी 12 सितंबर को हमीरपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत से भी लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ जितेन्द्र सागर ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने का परामर्श दिया। डॉ सागर ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। शिक्षक हरीराम गुप्त निरपेक्ष, शिक्षक कैलाश सोनी एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपिका द्विवेदी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मिलने वाली निःशुल्क सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि लगातार विधिक जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन से लोग निश्चित रूप से भारी संख्या में लाभान्वित होंगे।

जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने और मोहम्मद आजम खघन व अब्दुल्ला आजम खघन को इंसाफ दिलाने के लिए 30 अगस्त को जंतर-मंतर पर विशाल धरना-प्रदर्शन

नई दिल्ली। मोहम्मद अरशद खान ने एक बयान में कहा कि मोहम्मद आजम खघन साहब, उनके परिवार और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर के साथ वर्षों से जिस प्रकार का व्यवहार किया जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। 2019 के बाद जिस तेजी से मोहम्मद आजम खघन साहब, उनके परिवार और जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मुकदमे सामने आए, उनकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच कराया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मोहम्मद आजम खघन साहब और उनके परिवार के विरुद्ध इस प्रकार बड़ी संख्या में मुकदमे नहीं थे, लेकिन लोकसभा चुनाव में उनकी जीत के बाद कुछ ही महीनों के भीतर लगभग साढ़े तीन सौ मुकदमे दर्ज किए जाने की बात सामने आई। इतने कम समय में इतनी बड़ी संख्या में मुकदमों का दर्ज होना स्वाभाविक रूप से गंभीर सवाल खड़े करता है। इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि देश की जनता के सामने सच्चाई आ सके कि कौन से मुकदमे वास्तविक हैं और किन मामलों में राजनीतिक दबाव या द्वेष की कोई भूमिका रही है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष घोषित करने का अंतिम अधिकार न्यायपालिका का है। इसलिए हमारी मांग है कि मोहम्मद आजम खघन साहब, उनके परिवार और जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े सभी मामलों की निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराई जाए। यदि किसी मुकदमे में आरोप निराधार पाए जाते हैं तो उसे कानून के अनुसार समाप्त किया जाए और यदि किसी मामले में दोष सिद्ध होता है तो न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार निर्णय हो। यही वास्तविक न्याय है।

उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खघन साहब उत्तर प्रदेश की राजनीति के वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं। वह दस बार विधायक, दो बार सांसद, चार बार उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और एक बार नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। लगभग पांच दशकों के उनके सार्वजनिक जीवन को देखते हुए उनके मामलों की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि मोहम्मद आजम खघन साहब ने शिक्षा, राजनीति और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उनके योगदान का सम्मान होना चाहिए। मेरी व्यक्तिगत दृष्टि में उनके योगदान और सार्वजनिक जीवन को देखते हुए उन्हें भारत रत्न जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान के योग्य माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खघन साहब और उनके परिवार से जुड़े मामलों का परीक्षण राजनीतिक प्रतिशोध की दृष्टि से नहीं, बल्कि कानून, संविधान और न्याय की कसौटी पर होना चाहिए। आजम खघन साहब जेल में हैं, उनके परिवार के सदस्य भी जेल जा चुके हैं और अब्दुल्ला आजम खघन साहब को भी बार–बार जेल की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है। यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक है।

मोहम्मद अरशद खान ने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, माननीय राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से अपील की कि इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए एक स्वतंत्र विशेष जांच दल (ैप्ज) गठित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं तथा सभी मामलों की समग्र और समयबद्ध समीक्षा कराई जाए। यदि जांच में कोई व्यक्ति निर्दोष पाया जाता है तो उसे न्याय मिलना चाहिए और यदि किसी मामले में कानून का उल्लंघन सिद्ध होता है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

जौहर यूनिवर्सिटी को गिराने के बजाय बचाने की जरूरत

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि सरकारों का काम स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बनाना तथा शिक्षा का विस्तार करना होना चाहिए, शिक्षण संस्थानों को गिराना नहीं।

उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर एक बड़ा शैक्षणिक संस्थान है, जिसे स्थापित करने के पीछे वर्षों की मेहनत और बड़ी संख्या में लोगों का सहयोग रहा है। विश्वविद्यालय से शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी और उनके परिवार जुड़े हुए हैं। इसलिए विश्वविद्यालय की इमारतों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई का प्रभाव केवल एक संस्था पर नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी की 38 इमारतों को लेकर जारी किए गए ध्वस्तीकरण संबंधी नोटिस को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए और विश्वविद्यालय के भविष्य तथा विद्यार्थियों की शिक्षा को सुरक्षित किया जाना चाहिए। इस पूरे मामले में भी कानून के अनुसार निष्पक्ष जांच और न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए।

मोहम्मद अरशद खान ने कहाकि हमारी मांगें पूरी तरह स्पष्ट हैंक्

जौहर यूनिवर्सिटी रामपुर के विरुद्ध 38 इमारतों से संबंधित ध्वस्तीकरण नोटिस वापस लिया जाए।

जौहर यूनिवर्सिटी के विकास, सुरक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों को सुनिश्चित किया जाए।

मोहम्मद आजम खघन साहब, अब्दुल्ला आजम खघन साहब और उनके परिवार से जुड़े सभी मुकदमों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जाए।

पूरे प्रकरण की जांच के लिए स्वतंत्र ैप्ज का गठन किया जाए।

जिन मामलों में आरोप निराधार पाए जाएं, उन्हें कानून के अनुसार समाप्त किया जाए और निर्दोष लोगों को तत्काल न्याय मिले।

मोहम्मद आजम खघन साहब और अब्दुल्ला आजम खघन साहब को न्यायिक प्रक्रिया के तहत यदि निर्दोष पाया जाए तो उनकी तत्काल रिहाई सुनिश्चित की जाए।

जौहर यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के भविष्य की रक्षा की जाए।

30 अगस्त को जंतर–मंतर पर विशाल शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि इन्हीं मांगों को लेकर 30 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर विशाल शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने देशवासियों, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, छात्रों, शिक्षकों, किसानों, नौजवानों, सामाजिक संगठनों तथा न्याय और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों से अपील करते हुए कहाक्

"आप सभी 30 अगस्त को जंतर–मंतर, नई दिल्ली पहुंचकर इस शांतिपूर्ण आंदोलन को अपनी ताकत दें। हमारा संघर्ष किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नहीं, बल्कि न्याय, लोकतंत्र, शिक्षा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। हम चाहते हैं कि मोहम्मद आजम खघन साहब, अब्दुल्ला आजम खघन साहब और उनके परिवार को निष्पक्ष न्याय मिले तथा मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर को सुरक्षित रखा जाए।"

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा। हमारा उद्देश्य किसी कानून–व्यवस्था की स्थिति को प्रभावित करना नहीं, बल्कि संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज सरकार और देश के सामने रखना है।

तकनीकी विश्लेषण से 5 महीने से लापता 17 वर्षीय बालक बरामद, होटल में कर रहा था काम

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा गुमशुदा बच्चों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (एएचटी) की टीम ने करीब पांच महीने से लापता 17 वर्षीय बालक शिवांक रावत को सकुशल बरामद कर लिया। साइबर असिस्टेंस और तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से बालक के डिजिटल फुटप्रिंट का पता लगाकर पुलिस टीम ने उसे आशियाना क्षेत्र से बरामद किया। घर से जाने के बाद बालक होटल में काम कर अपना जीवन–यापन कर रहा था और रात में पुल के नीचे सोता था।पुलिस आयुक्त तरुण गाबा तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देशन में गुमशुदा बच्चों की बरामदगी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त अपराध अनिल कुमार यादव, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध किरन यादव के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त अपराध के पर्यवेक्षण में थाना एएचटी की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।पुलिस के अनुसार 6 मार्च 2026 को शिवांक के पिता मिथिलेश कुमार निवासी बगियामऊ, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी ने अपने 17 वर्षीय पुत्र के गुम होने की सूचना थाना सुशान्त गोल्फ सिटी में दी थी। सूचना के आधार पर अपराध संख्या 135ध्2026 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की प्रारंभिक विवेचना उपनिरीक्षक विवेक कुमार मिश्रा द्वारा की गई। इसके बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय के आदेश पर 25 जुलाई 2026 को विवेचना थाना एएचटी को स्थानांतरित कर दी गई। वर्तमान में मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक दशरथ सिंह द्वारा की जा रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त अपराध किरन यादव द्वारा गुमशुदा बच्चों की बरामदगी को लेकर लगातार निगरानी की जा रही थी। उनके निर्देश पर साइबर असिस्टेंस के माध्यम से बालक के डिजिटल फुटप्रिंट और उपलब्ध तकनीकी इनपुट का गहन विश्लेषण कराया गया। जांच में सामने आया कि बालक अपने पुराने मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा था, लेकिन उसने अपना सिम कार्ड बदल लिया था। घर से जाने के बाद उसने आशियाना क्षेत्र में एक होटल में काम करना शुरू कर दिया था। ऐसे में तकनीकी और साइबर विश्लेषण पुलिस के लिए उसकी तलाश में महत्वपूर्ण साबित हुआ।लगातार किए गए तकनीकी विश्लेषण के दौरान प्राप्त डिजिटल इनपुट के आधार पर 15 अगस्त 2026 को बालक के मोबाइल की लोकेशन एन–सेक्टर, आशियाना क्षेत्र में मिली। सूचना मिलते ही थाना एएचटी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और 17 वर्षीय शिवांक रावत को सकुशल बरामद कर लिया।पूछताछ में बालक ने पुलिस को बताया कि वह हाईस्कूल में फेल हो गया था और उसका पढ़ाई में मन नहीं लग रहा था। माता–पिता द्वारा पढ़ाई के लिए कहे जाने से नाराज होकर वह घर से चला गया था। घर से निकलने के बाद उसने अपना सिम कार्ड बदल लिया और आशियाना क्षेत्र में होटल में काम करने लगा। उसने बताया कि वह रात के समय पुल के नीचे सोकर रात बिताता था।तकनीकी माध्यम से उसकी लोकेशन ट्रेस होने के बाद पुलिस टीम ने उसे आशियाना क्षेत्र से बरामद किया और आवश्यक कार्रवाई के लिए थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लाया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद बालक को राजकीय बाल गृह (बालक), मोहन रोड में आवासित कराया गया। इसके साथ ही उसकी परिजनों से मुलाकात भी कराई गई।अपर पुलिस उपायुक्त अपराध किरन यादव ने बताया कि थाना एएचटी द्वारा गुमशुदा बच्चों की बरामदगी और मानव तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में अलग–अलग मामलों में मानव तस्करी से जुड़े 13 बच्चों को सकुशल रेस्क्यू किया जा चुका है। शिवांक रावत की बरामदगी इस अभियान की 14वीं सफलता है। उन्होंने कहा कि लगातार निगरानी, अधिकारियों के मार्गदर्शन और साइबर असिस्टेंस के जरिए डिजिटल फुटप्रिंट के विश्लेषण ने इस बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई बालक या बालिका किसी कारणवश नाराज होकर घर से चला जाता है अथवा गुम हो जाता है तो परिजन तत्काल नजदीकी पुलिस थाने को सूचना दें। बच्चों की सुरक्षा और उनकी सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस उपलब्ध तकनीकी संसाधनों और डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग कर रही है।पुलिस ने यह भी अपील की है कि होटल, ढाबा, दुकान अथवा अन्य प्रतिष्ठानों में यदि किसी नाबालिग बच्चे के काम करने की जानकारी किसी व्यक्ति को मिलती है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए। इससे ऐसे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उन्हें उनके परिवार से मिलाने में मदद मिलेगी।

सिम स्वैप, सीडीआर और आईपीडीआर के विश्लेषण पर 143 पुलिसकर्मियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती के बीच पुलिस की तकनीकी दक्षता और विवेचना क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से कमिश्नरेट लखनऊ की स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग शाखा की ओर से मंगलवार को 'सिम स्वैप तथा सीडीआर एवं आईपीडीआर का विश्लेषण' विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश शासन और पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में आयोजित यह कार्यशाला उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय, महानगर, लखनऊ में संपन्न हुई। प्रशिक्षण में कमिश्नरेट लखनऊ के विभिन्न थानों की साइबर हेल्प डेस्क, साइबर सेल, जोन स्तर की साइबर सेल तथा साइबर थाने में तैनात 143 अधिकारी और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार तथा पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अमित कुमावत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध शाहिदा नसरीन के निर्देशन में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीकी संसाधनों के उपयोग के माध्यम से साइबर अपराधों की रोकथाम, विवेचना और डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए और अधिक सक्षम बनाना रहा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर विशेषज्ञ अनुज अग्रवाल ने प्रतिभागियों को सिम स्वैप, सीडीआर और आईपीडीआर से जुड़े महत्वपूर्ण तकनीकी, विधिक और प्रक्रियात्मक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराधों की जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों को सुरक्षित करने, उनका विश्लेषण करने तथा विभिन्न डिजिटल कड़ियों को जोड़कर संदिग्ध व्यक्तियों तक पहुंचने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।कार्यशाला में सिम स्वैपिंग से जुड़े साइबर अपराधों की कार्यप्रणाली पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्रशिक्षक ने बताया कि सिम स्वैप के जरिए अपराधी किस प्रकार मोबाइल नंबर पर नियंत्रण हासिल कर साइबर अपराध को अंजाम दे सकते हैं। पुलिसकर्मियों को ऐसे मामलों में अपराध की प्रकृति समझने, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने और उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) और आईपीडीआर (इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड) के वैज्ञानिक विश्लेषण पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि किसी साइबर अपराध की विवेचना के दौरान सीडीआर और आईपीडीआर का प्रभावी विश्लेषण जांच को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनके माध्यम से संदिग्ध मोबाइल नंबरों, आपसी संपर्क, बातचीत के पैटर्न, इंटरनेट गतिविधियों और अन्य तकनीकी तथ्यों का विश्लेषण कर संदिग्धों की पहचान तथा अपराध की कड़ियों को जोड़ने में सहायता मिल सकती है।विशेषज्ञ ने इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ आईपीडीआर के बढ़ते महत्व और साइबर अपराधों की विवेचना में इसकी उपयोगिता के बारे में भी पुलिसकर्मियों को जानकारी दी। प्रशिक्षण में डिजिटल एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान करने, उपलब्ध सूचनाओं का समुचित विश्लेषण करने और वैज्ञानिक तरीके से विवेचना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।कार्यशाला का एक प्रमुख उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में पुलिसकर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना रहा। इसके तहत सिम स्वैप से संबंधित अपराधों की पहचान और जांच, सीडीआर एवं आईपीडीआर के प्रभावी विश्लेषण, डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अपराध की कड़ियों को जोड़ने तथा संदिग्धों तक पहुंचने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया गया।कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम और प्रभावी विवेचना के लिए पुलिसकर्मियों को लगातार तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आधुनिक तकनीक और डिजिटल साक्ष्यों के बेहतर उपयोग के माध्यम से पुलिस की साइबर अपराधों के त्वरित, वैज्ञानिक और प्रभावी अन्वेषण की क्षमता को लगातार मजबूत किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि बदलते साइबर अपराधों की प्रकृति को देखते हुए पुलिसकर्मियों को नवीनतम तकनीकी जानकारी से लगातार अपडेट रखना साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक है।

यूट्यूब चैनल खरीदने के नाम पर 1. 70 लाख रुपये की साइबर ठगी, नाका पुलिस ने पूरी रकम वापस कराई

लखनऊ, (संवाददाता)। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नाका हिंडोला पुलिस की साइबर टीम ने तत्परता और तकनीकी सूझबूझ का परिचय देते हुए यूट्यूब चौनल खरीदने के नाम पर हुई 1 लाख 70 हजार रुपये की साइबर ठगी की पूरी धनराशि पीड़ित को वापस करा दी। बैंकिंग लेनदेन का तकनीकी विश्लेषण कर पुलिस टीम ने ठगी की रकम को ट्रेस किया और उसे पीड़ित के खाते में वापस कराया।पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी एवं सहायक पुलिस आयुक्त कैसरबाग के निर्देशन तथा थाना नाका हिंडोला के थानाध्यक्ष विवेक कुमार चौधरी के नेतृत्व में थाना नाका की साइबर टीम द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में 6 अगस्त 2026 को नाका हिंडोला क्षेत्र निवासी रवींद्र नाथ शुक्ल ने पुलिस को शिकायत दी कि उनके पोते अयांश शुक्ल के साथ यूट्यूब चौनल खरीदने के नाम पर धोखाधड़ी की गई है। साइबर जालसाजों ने पीड़ित के बैंक खाते से 1 लाख 70 हजार रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से निकाल ली थी।मामले की जानकारी मिलते ही थाना नाका के साइबर हेल्प डेस्क प्रभारी उपनिरीक्षक सतेन्द्र कुमार सैनी ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित की शिकायत साइबर अपराध पोर्टल पर दर्ज कराई। इसके बाद थाना नाका की साइबर टीम ने बैंकिंग लेनदेन से संबंधित विवरण का गहन तकनीकी विश्लेषण शुरू किया।पुलिस टीम ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंकिंग लेनदेन की जानकारी और धनराशि के प्रवाह का विश्लेषण करते हुए 1 लाख 70 हजार रुपये की पूरी रकम को ट्रेस कर लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने ठगी की पूरी धनराशि पीड़ित को वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने नाका पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंक खाते, ओटीपी, एटीएम कार्ड, यूपीआई या अन्य बैंकिंग संबंधी जानकारी साझा न करें। ऑनलाइन खरीदारी अथवा किसी डिजिटल सेवा के लिए भुगतान करने से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था की विश्वसनीयता की जांच अवश्य करें। साइबर ठगी होने पर बिना देरी किए साइबर अपराध पोर्टल या पुलिस को सूचना दें, जिससे ठगी की धनराशि को समय रहते रोकने और वापस कराने की कार्रवाई की जा सके।साइबर ठगी की धनराशि वापस कराने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सतेन्द्र कुमार सैनी तथा कांस्टेबल प्रभात त्रिपाठी, थाना नाका हिंडोला, लखनऊ शामिल रहे।

पारा में अवैध डेयरियों पर नगर निगम का कड़ा प्रहार, 197 पशु पकड़े गए

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर संचालित की जा रही अवैध दूध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को बड़ा अभियान चलाया। गत दिनों अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई करने गई नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम पर हुए हमले की घटना को गंभीरता से लेते हुए महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार स्वयं मौके पर पहुंचे और अभियान की निगरानी की। उनके निर्देश पर पुलिस बल, प्रवर्तन दल और कैटिल कैचिंग दस्ते की संयुक्त टीम ने बुद्धेश्वर से शकुंतला मिश्र विश्वविद्यालय रोड तक सघन कार्रवाई करते हुए कुल 197 पशुओं को पकड़कर अलग–अलग कांजी हाउस और गौशाला में निरुद्ध कराया।महापौर सुषमा खर्कवाल ने मौके पर अधिकारियों से कार्रवाई की जानकारी लेते हुए स्पष्ट किया कि शहर में नियमों का उल्लंघन कर अवैध रूप से डेयरी संचालित करने वालों के खिलाफ किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अभियान को लगातार प्रभावी ढंग से चलाने और अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि शहर में कानून और निर्धारित नियमों का पालन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाएगा तथा सरकारी कार्रवाई में बाधा डालने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त गौरव कुमार के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में नगर निगम के प्रवर्तन दल, कैटिल कैचिंग दस्ते और पुलिस बल ने संयुक्त रूप से

कार्रवाई की। नगर आयुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से अभियान की प्रगति और अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का पूरा ध्यान रखते हुए अवैध डेयरियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए और पकड़े गए पशुओं को निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित रूप से पहुंचाया जाए।अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने कुल 197 पशुओं को पकड़कर निरुद्ध कराया। इनमें 46 भैंसों को राधा उपवन गौशाला, 40 भैंसों को ठाकुरगंज कांजी हाउस, 31 भैंसों को पीजीआई कांजी हाउस, 33 भैंसों को आलमबाग कांजी हाउस तथा 46 भैंस और एक बड़ी पड़िया को एशबाग कांजी हाउस भेजा गया। नगर निगम की टीम ने कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से संचालित डेयरियों को चिन्हित करने के साथ पशुओं को हटाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की।नगर निगम का यह विशेष अभियान बुद्धेश्वर, पारा, गढ़ियाना, ज्ञानेन्द्र विहार और शकुंतला मिश्र विश्वविद्यालय रोड के आसपास चलाया गया। टीम ने क्षेत्र में संचालित डेयरियों की जांच की और जहां नियमों का उल्लंघन पाया गया, वहां कार्रवाई की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध रूप से पशु रखने और डेयरी संचालित करने से होने वाली समस्याओं को रोकने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम पर हुए हमले के बाद प्रशासन ने इस मामले में अपना रुख और सख्त कर लिया है। गौरतलब है कि गत दिनों अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई करने गई टीम पर स्थानीय अराजक तत्वों ने हमला कर दिया था। घटना में नगर निगम और पुलिस के अधिकारी–कर्मचारी घायल हुए थे। इसके बाद नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि सरकारी कार्य में बाधा डालने, अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ अभद्रता करने अथवा टीम पर हमला करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय आईटीआई और पालिटेक्निक संस्थानों में 40 अनुदेशक पदों पर जल्द होगी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा उपलब्ध कराने तथा उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मुहैया कराने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। समाज कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित राजकीय आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में अनुदेशकों के रिक्त पदों पर जल्द ही पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं अन्य योग्य लोगों को अनुदेशक के रूप में लगाया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न राजकीय तकनीकी शिक्षण संस्थानों में कुल 40 अनुदेशक पद रिक्त हैं। इनमें राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक, मोहन रोड, लखनऊ में 7 पद, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), बक्शी का तालाब, लखनऊ में 23 पद, राजकीय आईटीआई पॉलिटेक्निक, गोरखपुर में 9 पद तथा राजकीय आईटीआई पॉलिटेक्निक, प्रतापगढ़ में 1 पद रिक्त है।विभाग की ओर से कहा गया है कि रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरा किया जाएगा। इसके लिए योग्य अभ्यर्थियों के चयन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। भर्ती होने के बाद तकनीकी संस्थानों में शिक्षण व्यवस्था को और मजबूत करने के साथ विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों का बेहतर व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराया जा सकेगा।समाज कल्याण विभाग ने कहा कि सरकार युवाओं के कौशल विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। संस्थानों में पर्याप्त संख्या में अनुदेशकों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को संबंधित विषयों की व्यवहारिक शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण बेहतर तरीके से मिल सकेगा।विभाग के अनुसार अनुदेशकों की नियुक्ति होने से राजकीय आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों के साथ–साथ उद्योगों की जरूरत के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। तकनीकी दक्षता बढ़ने से युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी विकसित होंगे।समाज कल्याण विभाग ने स्पष्ट किया कि अनुदेशकों की भर्ती में योग्यता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाएगी। चयन प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से पूरी कर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक सेवानिवृत्त शिक्षकों आदि की सेवाएं लेकर संस्थानों में शिक्षण कार्य को सुचारु बनाए रखने का प्रयास जारी रहेगा।विभाग का मानना है कि तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार से प्रदेश के युवाओं को रोजगार बाजार की बदलती जरूरतों के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी और वे बेहतर कौशल के साथ आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

जानकीपुरम में नाबालिग से आपत्तिजनक कृत्य के आरोप में 63 वर्षीय दादा गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। जानकीपुरम थाना क्षेत्र में करीब साढ़े चार वर्षीय बच्ची के साथ आपत्तिजनक कृत्य के आरोप में पुलिस ने उसके 63 वर्षीय दादा को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(2) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 30 जून 2026 को बच्ची की मां ने थाना जानकीपुरम में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी करीब साढ़े चार वर्ष की पुत्री के साथ उसके दादा राम रतन साहू द्वारा आपत्तिजनक कृत्य किया गया है। शिकायत मिलने के तत्काल बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा अपराध संख्या 117ध्2026, धारा 65(2) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 6 पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया। मामले की विवेचना वरिष्ठ उपनिरीक्षक हरिदास चौरसिया को सौंपी गई।विवेचना के दौरान पुलिस ने वादिनी के बयान दर्ज किए और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही बच्ची से संबंधित चिकित्सकीय परीक्षण एवं उपलब्ध मेडिकल अभिलेखों का अवलोकन किया गया। विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी राम रतन साहू के खिलाफ कार्रवाई की।पुलिस टीम ने 18 अगस्त 2026 को आरोपी राम रतन साहू को भवानी बाजार के पास से हिरासत में लिया।

एआई आधारित समाधान से उद्यमिता और स्टार्टअप के नए अवसर सृजित होंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में मंगलवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'एआई–संचालित समाधानरू उद्यमिता एवं स्टार्टअप्स' विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्यमिता, नवाचार और उभरते स्टार्टअप के अवसरों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका पर चर्चा करना तथा विद्यार्थियों को तकनीक आधारित नए अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल और आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता के रूप में एनर्जी एक्सेम्प्लर, पुणे के वरिष्ठ ऊर्जा बाजार विश्लेषक डॉ. बी.वी. सूर्य वर्धन ने उद्योग जगत के दृष्टिकोण से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और इसके माध्यम से विकसित हो रहे नए व्यावसायिक अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंशुल अग्रवाल, डॉ. भीम सोनकर और डॉ. ईशान श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्तमान समय में शिक्षा, उद्योग और उद्यमिता के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों का ज्ञान देने के साथ ही उन्हें नवाचार और उद्यमशीलता के लिए प्रोत्साहित किया जाए। एआई आधारित समाधानों के माध्यम से विद्यार्थी नए स्टार्टअप और रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं।उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे तकनीकी दक्षता के साथ रचनात्मक सोच को विकसित करें और बदलती तकनीकी दुनिया के अनुरूप स्वयं को तैयार करें। उन्होंने कहा कि नवाचार और तकनीक का सही इस्तेमाल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ विकसित भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कहा कि एआई के दौर में सफल उद्यमिता के लिए केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है, बल्कि समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक और नवाचारी समाधान विकसित करने की क्षमता भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनी रचनात्मक सोच और उद्यमशील दृष्टिकोण से जोड़ें तो वे उद्योगों की वास्तविक चुनौतियों का समाधान करते हुए प्रभावशाली स्टार्टअप की नींव रख सकते हैं।उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों के प्रयोग के साथ लगातार सीखने और प्रयोग करने की संस्कृति विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी बदलावों के इस दौर में वही युवा आगे बढ़ेंगे जो सीखने के साथ नई संभावनाओं को पहचानकर उन्हें व्यावहारिक रूप देने का प्रयास करेंगे।मुख्य वक्ता डॉ. बी.वी. सूर्य वर्धन ने उद्योग जगत के दृष्टिकोण से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई वर्तमान समय में उद्योगों और व्यवसायों के स्वरूप में तेजी से बदलाव ला रही है। एआई आधारित तकनीकों के माध्यम से नवाचार, नए व्यावसायिक अवसर और स्टार्टअप के विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

शिक्षकों के 77,400 से अधिक रिक्तपदों पर भर्ती की मांग को लेकर आप की छात्र विंग का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की जर्जर स्थिति, बुनियादी सुविधाओं की कमी और शिक्षकों के 77,400 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी की छात्र विंग एएसएपी ने मंगलवार को राजधानी में जोरदार प्रदर्शन किया। छात्र विंग के प्रदेश अध्यक्ष अनित रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे के निकट जीपीओ पर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा शिक्षकों के रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती की मांग उठाई।प्रदर्शन के दौरान अनित रावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालय बदहाली का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई विद्यालयों में पर्याप्त कक्ष नहीं हैं और जहां कक्ष उपलब्ध हैं वहां शिक्षकों की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरत के लिए छोटे बच्चों को भी सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज उठाने को मजबूर होना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि जिन बच्चों को विद्यालयों में बैठकर पढ़ाई करनी चाहिए और अपना भविष्य संवारना चाहिए, वे शिक्षकों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार से सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त कक्ष, मूलभूत सुविधाएं और शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की।अनित रावत ने कहा कि प्रदेश में शिक्षकों के करीब 77,400 से अधिक पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू करती है तो एक ओर विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर होगी, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने सरकार से रिक्त पदों की संख्या स्पष्ट करते हुए पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की।उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने तथा सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार युवाओं की बुनियादी जरूरत हैं और सरकार को इन मुद्दों पर गंभीरता से काम करना चाहिए।

छुट्टा गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार ने 5 अरब रुपये की धनराशि स्वीकृत की

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में छुट्टा और निराश्रित गोवंश के संरक्षण तथा उनके भरण–पोषण के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में 5 अरब रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। स्वीकृत धनराशि की पहली किस्त का उपयोग अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों की स्थापना, संचालन तथा संरक्षित गोवंश के भरण–पोषण के लिए किया जाएगा। गोवंश के भरण–पोषण पर अधिकतम 50 रुपये प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से धनराशि खर्च की जा सकेगी।इस संबंध में पशुधन विभाग की ओर से शासनादेश जारी कर निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग को अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित और सत्यापित गोवंश के भरण–पोषण के लिए ही किया जाएगा। इसके अलावा किसी अन्य मद में धनराशि खर्च करना वित्तीय नियमों का उल्लंघन और धनराशि का दुरुपयोग माना जाएगा।शासनादेश के अनुसार धनराशि के आहरण और व्यय के दौरान यह सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा कि स्वीकृत बजट का उपयोग केवल पात्र गोवंश के भरण–पोषण पर ही किया जाए। इसके लिए निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग को पूरी तरह जिम्मेदार बनाया गया है। विभाग को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिन कार्यों और मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है, उनके लिए पहले राज्य सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से धनराशि स्वीकृत न हुई हो और न ही संबंधित कार्य किसी अन्य योजना या कार्यक्रम में शामिल हो।सरकार की ओर से स्वीकृत धनराशि का आवंटन और हस्तांतरण संबंधित जनपदों को नियमानुसार उनकी ओर से प्राप्त मांग के अनुरूप किया जाएगा।

आखिर जन सुराज पार्टी और लोजपा रामविलास के बीच पक रही सियासी खिचड़ी के

कमलेश पांडे ।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सामाजिक न्याय क्रांति और मंडल बनाम कमंडल की मतलबी राजनीति की कड़ी में जहां उत्तरप्रदेश में चार–चार बार दलित नेत्री सुश्री मायावती को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और उनकी बहुजन समाज पार्टी तीन बार गठबंधन के तहत और एक बार पूर्ण बहुमत से यूपी की सत्ता में आई।

बिहार में जन सुराज पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बीच जो राजनीतिक खिचड़ी पकने की चर्चा है, वह उत्तरप्रदेश की राजनीति से अभिप्रेरित है। चूंकि प्रशांत किशोर मशहूर चुनावी रणनीतिकार भी हैं और लगभग सभी प्रमुख पार्टियों के रणनीतिक घाटों की पानी का स्वाद चख चुके हैं, इसलिए उनसे जुड़ी इस आशय की चर्चा भी अनायास नहीं है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सामाजिक न्याय क्रांति और मंडल बनाम कमंडल की मतलबी राजनीति की कड़ी में जहां उत्तरप्रदेश में चार–चार बार दलित नेत्री सुश्री मायावती को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और उनकी बहुजन समाज पार्टी तीन बार गठबंधन के तहत और एक बार पूर्ण बहुमत से यूपी की सत्ता में आई। लेकिन बिहार में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, जदयू के हुक्मरान नीतीश कुमार ने लोजपा के राम विलास पासवान और उनके पुत्र चिराग पासवान को कभी पूर्ण रूप से उभरने ही नहीं दिया और गठबंधन में भी कमजोर बनाए रखा। यही वजह है कि बिहार में नए जमाने की राजनीति के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने चिराग पासवान के साथ गठबंधन की सम्भवनाओं को हवा दिलवाकर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव के समक्ष एक तगड़ी चुनौती पेश करने की अपनी मंशा उजागर कर दी है। चिराग पासवान जिस तरह से खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान करार देते हैं, इससे उनकी भी बेचौनी बढ़ेगी हो।यह ठीक है कि जन सुराज पार्टी और लोजपा रामविलास के बीच किसी औपचारिक गठबंधन की सार्वजनिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। लेकिन अगस्त 2026 की ताजा राजनीतिक हलचल को देखें तो दोनों के बीच संभावित सियासी तालमेल की चर्चा को महज अफवाह मानकर खारिज करना भी जल्दबाजी होगी। क्योंकि हाल की रिपोर्टों में दोनों के करीब आने और भाजपा–राजद से अलग एक संभावित धुरी की चर्चा सामने आई है। इससे एनडीए की राजनीति में चिराग पासवान का रुतबा बढ़ना भी स्वाभाविक है। फिर भी यदि चिराग पासवान को दलित मुख्यमंत्री बनाने के स्वप्न प्रशांत किशोर यदि दिखाते हैं, या फिर उपमुख्यमंत्री पद का भी सियासी चारा डालते हैं तो मिशन 2029 के संसदीय चुनाव और 2030 के विधानसभा चुनावों को लेकर एनडीए और महागठबंधन के हाथपांव फूलना स्वाभाविक है।

आइए अब यह समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर इस मनोवांछित सियासी खिचड़ी में क्या–क्या पक रहा है? और इसके राजनीतिक स्वाद के मिजाज से इसके क्या क्या मायने हो सकते हैं–

पहला, लोजपा युवराज चिराग पासवान के लिए यह छक। के भीतर दबाव की राजनीति हो सकती है, क्योंकि चिराग पासवान पहले भी सीट बंटवारे और छक। के भीतर अपनी राजनीतिक हैसियत को लेकर स्वतंत्र रुख दिखाते रहे हैं। 2025 में भी उनके प्रशांत किशोर से संभावित संपर्क की खबरें सामने आई थीं। इसलिए सियासत में हर खुली हुई सम्भवनाओं और उससे बनने बिगड़ने वाली हवा से इंकार नहीं किया जा सकता है।दूसरा, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के लिए लोजपा रामविलास प्रमुख चिराग पासवान एक महत्वपूर्ण सामाजिक–पॉलिटिकल पुल हो सकते हैं। ऐसा इसलिए कि

जन सुराज अपने को ठश्रच और त्श्रक्कदोनों से अलग विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहता है। अब बांकीपुर में किशोर की जीत ने उन्हें सिर्फ आंदोलनकारी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय चुनावी ताकत के रूप में भी स्थापित किया है। तीसरा, सबसे दिलचस्प संभावना हैकृश्माइनस ठश्रच, माइनस त्श्रक्श राजनीति। यानी कि ताजा राजनीतिक चर्चाओं में इसी तरह के पुनर्संयोजन की संभावना उठ रही है। इसका अर्थ होगा कि चिराग पासवान अपना दलितध्पासवान प्रभाव और जन सुराज पार्टी अपना युवा, गैर–पारंपरिक तथा शहरी–मध्यवर्गीय आधार जोड़ने की कोशिश करे। दोनों ने यदि रणनीतिक रूप से सवर्णों को तरजीह दी तो भाजपाध्कांग्रेस के लिए यह किसी झटके की तरह होगा।लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दोनों की राजनीतिक जरूरतें अलग अलग हैं। चाहे चिराग पासवान हों या

प्रशांत किशोर, दोनों अपना स्वतंत्र राजनीतिक स्पेस बढ़ाना चाहते हैं, साथ ही खुद को तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। जहां चिराग पासवान छक। में रहते हुए अपना इंतहंपदपदह चवूमत बढ़ाना चाहते हैं, वहीं प्रशांत किशोर ठश्रच और त्श्रक दोनों से दूरी दिखाना चाहते हैं।इस बात में कोई दो राय नही कि उत्तरप्रदेश के जाटवों के वोट बैंक के तरह ही बिहार में भी पासवान वोट का मजबूत आधार है, जबकि प्रशांत किशोर युवा, शिक्षित और बदलाव चाहने वाले मतदाताओं पर जोर देते हैं। वह संगठन और चुनावी नेटवर्क के कार्यसाधक हैं। उनमें नया राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने और अभियान चलाने की अद्भुत क्षमता है। लिहाजा यहीं से असली सवाल पैदा होता हैकृक्या चिराग छक। के भीतर रहकर जन सुराज से तालमेल करेंगे, या भविष्य में कोई व्यापक वैकल्पिक मोर्चा बनेगा?अलबत्ता, इन चर्चाओं में एक और बड़ा संकेत निहित है। वह यह कि प्रशांत किशोर अब केवल विधानसभा की राजनीति तक सीमित नहीं दिख रहे, बल्कि जन सुराज की नजर विधान परिषद के चुनावी क्षेत्रों पर भी बताई जा रही है। यानी संगठन को लगातार चुनावी मशीनरी में बदलने की कोशिश हो रही है।

दूसरी ओर चिराग पासवान ने भी हाल के दिनों में ऐसे मुद्दे उठाए हैं जिन पर सरकारध्छक। के भीतर असहजता पैदा हो सकती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने गत दिनों बिहार की शराबबंदी नीति की प्रभावशीलता पर खुलकर सवाल उठाया। यानी दोनों के बीच संभावित तालमेल का आधार केवल जातीय गणित नहीं, बल्कि श्एंटी–एस्टैब्लिशमेंटश और श्नया विकल्पश का राजनीतिक नैरेटिव भी बन सकता है।मगर सबसे बड़ी अड़चन भी यही है। खासकर प्रशांत किशोर की राजनीति का मूल दावा ही है कि वे पारंपरिक राजनीतिक दलों के गठजोड़ से अलग व्यवस्था खड़ी करेंगे। 2025 में उन्होंने चिराग के साथ गठबंधन की संभावना को सार्वजनिक रूप से नकारते हुए कहा था कि उनका गठबंधन जनता के साथ है। इसलिए यदि आज दोनों के बीच नजदीकी बढ़ती है, तो इसे सीधा चुनावी गठबंधन मानने के बजाय श्रणनीतिक संवादश समझना ज्यादा उचित होगा।

मेरी नजर में असली खेल के दृष्टिगत 2026 का गठबंधन कम और 2029द्द30 की जमीन तैयार करने की कवायद ज्यादा हो सकती है। वाकई यदि चिराग, जन सुराज साथ आते हैं तो बिहार में तीन ध्रुव उभर सकते हैंरू– पहला, छक। बनाम त्श्रक्य दूसरा, महागठबंधन बनाम जन सुराजदृश्रच(त्ट जैसा वैकल्पिक ध्रुव। और यदि इस तीसरे ध्रुव में पप्पू यादव, उपेंद्र कुशवाहा या दूसरे छोटे सामाजिक आधार वाले नेता भी किसी रूप में जुड़ते हैं, तो बिहार की पारंपरिक दो–ध्रुवीय राजनीति के लिए यह गंभीर चुनौती बन सकती है। इस परिस्थिति में सामान्य जातियों के वोटबैंक का महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। क्योंकि यूपी में भी ओबीसी सियासत से ब्राह्मण परेशान होकर मायावती के साथ हो लिए थे। कुछ ऐसा ही उभार बिहार में भी नजर आ रहा है, खासकर सोशल मीडिया पर सवर्ण विरोधी पोस्टों की बाढ़।

फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण संकेत यही है कि दोनों की तरफ से औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं हुई है। इसलिए श्खिचड़ी पक रही हैश कहना राजनीतिक संकेतों के लिहाज से उचित है

सम्पादकीय

नागरिकों पर ही है शहर साफ रखने की जिम्मेदारी

सिर्फ सरकार को कोसना काफी नहीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मंजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा।

बरसात शुरू होते ही शहरों की गलियों–मोहल्लों में पानी जमा होना शुरू हो जाता है। मौसम विभाग अगर सही अनुमान लगाता है तो मूसलाधार बारिश के अनुमान के बावजूद देश के हर शहर में बरसात के गंदे पानी के तालाबों के बीच नारकीय जिंदगी जीने को मजबूर क्यों हो जाते हैं? हर साल यही कहानी दोहराई जाती है। लेकिन इसकी जिम्मेदारी क्या केवल सरकार की है? क्या नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं? क्या कारण हैं कि हर साल मानसून में देश के कई शहर नदी नालों में तब्दील हो जाते हैं?

सरकार की बात करें तो इसके तीन बड़े कारण हैं। पहला, बिना योजना के बसी कॉलोनियाँ और प्रशासन की आँख मूँदकर दी गई अनुमति। सड़क, नाली, सीवरज् कुछ भी सही न हो तो भी कॉलोनी पास। दूसरा, नालियों और सीवर में ठोस कचरा जमा होना, क्योंकि स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाते। तीसरा और सबसे खतरनाक, हर दो–तीन साल में सड़कों की ऊँचाई बढ़ा देना। जिससे आसपास के मकानों का तल हमेशा नीचे होता जाता है और पानी भराव की मुख्य वजह बन जाता है।

पहले दो कारणों पर तो हर साल मीडिया में शोर मचता रहता है। लेकिन सड़क का बार–बार ऊँचा होना कोई नहीं पूछता। क्यों? क्योंकि जितनी मोटी सड़क बिछाई जाएगी, ठेकेदार और इंजीनियरों का मुनाफा उतना ही बढ़ेगा। पहली बार अच्छी गुणवत्ता की सड़क बना दी जाए तो बार–बार बनाने की जरूरत ही न पड़े। थोड़े–बहुत पैचवर्क से काम चल सकता है, वहाँ भी पूरी नई सड़क डाल दी जाती है। बिना इस बात का लिहाज किए कि सड़क के दोनों तरफ रहने वाले आम लोगों की इतनी हैसियत नहीं होती कि वे हर दो साल में अपने घर का फर्श ऊँचा करा लें।

यदि विदेशों से तुलना की जाए तो एक बार भी ऐसा नहीं देखा कि विदेशों की किसी कॉलोनी की सड़क अचानक ऊँची हो गई हो या किसी मकान का फर्श सड़क से नीचे हो गया हो। सौ साल पुराने मकानों में भी यह समस्या नहीं है। न सड़क का स्तर बढ़ा, न घर का फर्श नीचा हुआ। तो हमारे इंजीनियरों की अक्ल पर क्या पत्थर पड़ गए हैं? या समझते तो हैं, लेकिन रिश्वत की हवस में करोड़ों लोगों की जिंदगी में हर दो–चार साल मुसीबत खड़ी कर देते हैं।लेकिन सिर्फ सरकार को कोसना काफी हीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मंजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा।आजकल सोशल मीडिया पर कुछ रील्स वायरल हो रही हैं। उनमें आम नागरिक दिखते हैं जो हाथ में फावड़ा–झाड़ू लेकर सड़क पर खड़े हैं। ये लोग जल भराव वाली सड़कों पर नालियों से प्लास्टिक, पॉलीथीन, गंदगी निकालते हुए देखें जाते हैं। कोई सरकारी विभाग का इंतजार नहीं कर रहा। खुद अपना इलाका साफ कर रहे हैं ताकि बारिश का पानी रुक न जाए। ये छोटी–छोटी कोशिशें ही असल बदलाव ला सकती हैं।

जरूरत है तो संगठित होने की। हम संबंधित अधिकारियों से सवाल पूछें। उनसे पूछें कि सड़क का स्तर हर दो साल में क्यों बढ़ाया जाता है। और अगर वे जवाब न दे पाएँ तो दबाव बनाएँ कि सड़क को उसके मूल स्तर पर लाया जाए।आज जरूरत है कि हम उन वायरल रील्स वाले नागरिकों से सीखें। जरूरत पड़ने पर खुद निकलकर नालियाँ साफ करें, कचरा न फेंकें, और साथ मिलकर प्रशासन पर दबाव बनाएँ। समस्या तभी घटेगी, जब हम अपनी उदासीनता छोड़कर खुद आगे बढ़ेंगे।

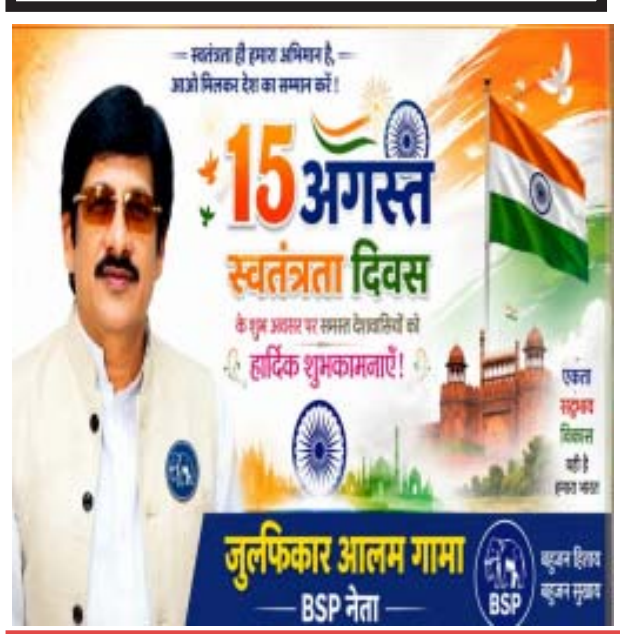

झारखंड में निशाने पर राहुल!

>kरखंड में सरकारी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई से चल रहा प्रदर्शन 23वें दिन उस समय और अधिक राजनीतिक हो गया, जब आंदोलनकारी छात्रों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले जलाए। छात्रों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है और झारखंड लोक सेवा आयोग तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने की मांग पर सरकार ठोस कदम नहीं उठा रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवा वर्षों लगा देते हैं। परिवार अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा की प्रक्रिया पर सवाल उठता है तो उसका प्रभाव केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं के भरोसे को प्रभावित करता है। छात्रों की मुख्य मांग झारखंड लोक सेवा आयोग की संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच है। आंदोलनकारी चाहते हैं कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी स्वतंत्र एजेंसी पूरे मामले की जांच करे, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि परीक्षा प्रक्रिया में कहीं गड़बड़ी हुई है या नहीं और यदि हुई है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन लोग हैं।

रांची में चल रहे इस आंदोलन की एक खास बात यह है कि अब इसमें सरकार के साथ–साथ कांग्रेस भी निशाने पर आ गई है। आंदोलन के नेता रविंद्र पासवान का दावा है कि आंदोलन शुरू होने के समय राहुल गांधी ने छात्रों को आश्वासन दिया था कि यदि 15 अगस्त तक हेमंत सोरेन सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक कदम नहीं उठाती है या संतोषजनक जवाब नहीं देती है, तो कांग्रेस सरकार से अपना समर्थन वापस लेने पर विचार करेगी। छात्रों का कहना है कि 15 अगस्त बीत चुका है, लेकिन सरकार की तरफ से उनकी मुख्य मांग पर कोई ठोस फैसला सामने नहीं आया। यही कारण है कि छात्रों ने पुतला दहन के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। यह प्रतीकात्मक कार्रवाई राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। जब किसी आंदोलन में प्रदर्शनकारी किसी एक विभाग या आयोग के बजाय मुख्यमंत्री और प्रमुख राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने लगते हैं, तो इसका अर्थ है कि आंदोलन की प्रकृति प्रशासनिक शिकायत से आगे बढ़कर राजनीतिक असंतोष की ओर जा रही है।

हालांकि सरकार ने बातचीत का रास्ता खुला रखा है। रांची सदर के अनुमंडल पदाधिकारी कुमार राजत और कानून–व्यवस्था के अपर जिला दंडाधिकारी धनंजय कुमार प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और छात्रों से बातचीत की। इसके बाद सरकार ने आंदोलनकारी नेताओं को एक बार फिर बातचीत के लिए बुलाया। छात्रों का आंदोलन जारी है और उनकी भाषा भी अब अधिक कठोर होती जा रही है। आंदोलनकारी नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि 18 अगस्त तक सरकार उनकी मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।यह चेतावनी सरकार के लिए गंभीर संकेत है। मुख्यमंत्री आवास का घेराव किसी भी आंदोलन को एक नए राजनीतिक और प्रशासनिक चरण में ले जा सकता है। सरकार के लिए जरूरी होगा कि वह स्थिति को टकराव तक पहुंचने से पहले बातचीत के माध्यम से हल करे। पुलिस और प्रशासन के जरिए आंदोलन को नियंत्रित करना तत्काल समाधान जैसा दिखाई दे सकता है, लेकिन परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सवालों का समाधान केवल प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होगा। इसके लिए पारदर्शिता और विश्वसनीय जांच की आवश्यकता होगी।

इस बीच विपक्ष ने भी छात्रों के आंदोलन को सरकार के खिलाफ राजनीतिक हथियार बना लिया है। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने छात्रों द्वारा पुतला जलाए जाने का वीडियो साझा करते हुए कहा कि छात्रों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राहुल गांधी को स्पष्ट संदेश दिया है कि वे झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल पर भी छात्रों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। विपक्ष का यह रुख स्वाभाविक रूप से राजनीतिक है। किसी भी लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की कमजोरियों को जनता के सामने उठाता है। लेकिन छात्र आंदोलन को केवल सत्ता और विपक्ष की राजनीति के चश्मे से देखना इस पूरे मामले के मूल प्रश्न को छोटा कर देगा। असली सवाल यह है कि क्या सरकारी भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया पर युवाओं का भरोसा कायम है?

सरकार को छात्रों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में नहीं देखना चाहिए। यदि सरकार के पास यह साबित करने के लिए पर्याप्त तथ्य हैं कि परीक्षाएं निष्पक्ष तरीके से आयोजित हुई हैं, तो उसे उन्हें सार्वजनिक रूप से सामने रखना चाहिए। यदि जांच की आवश्यकता है, तो ऐसी जांच का ऐसा स्वरूप होना चाहिए जिस पर छात्रों और आम जनता को विश्वास हो सके।

दूसरी ओर, छात्रों को भी अपने आंदोलन की लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। पुतला दहन और नारेबाजी विरोध के लोकतांत्रिक तरीकों का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन आंदोलन को हिंसा या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की दिशा में नहीं जाना चाहिए। शांतिपूर्ण आंदोलन ही छात्रों की नैतिक ताकत को बनाए रख सकता है।

झारखंड की मौजूदा स्थिति में सरकार के पास अभी भी बातचीत के जरिए समाधान निकालने का अवसर है। आंदोलन और व्यापक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। आगामी 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास के घेराव की घोषणा इस बात का संकेत है कि छात्रों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। झारखंड में चल रहा यह आंदोलन अंततः सरकार और छात्रों दोनों की परीक्षा है। छात्रों की परीक्षा इसलिए कि वे अपने भविष्य के लिए कितनी मजबूती और लोकतांत्रिक तरीके से लड़ते हैं, और सरकार की परीक्षा इसलिए कि वह युवाओं की आवाज को कितनी गंभीरता से सुनती है। ¼fgQ½

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है।पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने 'अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद–ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है। 1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह–धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है।भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक–सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत–विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू–कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश–ए–मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया। 22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान–अधिकृत जम्मू–कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ–साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को–टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन–सब एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग–अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है–भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़े हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय–प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी बड़ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

मिजिल्स-रुबेला टीकाकरण अभियान का शुभारंभ, 5 से 10 वर्ष तक के बच्चों को लगेगा टीका

सुलतानपुर। जनपद में मिजिल्स–रूबेला (एमआर) टीकाकरण अभियान का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नारायणपुर स्थित स्टेला मॉरिस कॉन्वेंट स्कूल में अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत जिले के सरकारी शिक्षण संस्थानों, निजी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और मदरसों में कक्षा एक से पांच तक अध यनरत बच्चों को एमआर वैक्सीन की डोज दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान 5 से 10 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण 18, 20, 21, 24, 25, 27 और 28 अगस्त 2026 को कराया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र, सरकारी स्कूल अथवा मदरसे में ले जाकर एमआर का टीका अवश्य लगवाएं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि खसरा और रूबेला संक्रामक वायरल रोग हैं जो संक्रमित व्यक्ति के खांसने–छींकने और संपर्क में आने से फैल सकते हैं। खसरे में तेज बुखार और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ना प्रमुख लक्षण हैं। वहीं रूबेला सामान्यतः हल्का संक्रमण होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं में इसके गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं। इसकी शुरुआत बुखार, नाक बहने और खांसी जैसे लक्षणों से भी हो सकती है। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ समन्वय स्थापित कर सभी स्कूलों और मदरसों में कक्षा एक से पांच तक के बच्चों का शत–प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने को कहा है। शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मंजला दीपा, डॉ. संजय गुप्ता, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डीपीएम, डीसीपीएम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूबेपुर के अधीक्षक, बीपीएम, बीसीपीएम, एसएमओ, डब्ल्यूएचओ, जेएसआई, पीसीआई के जिला प्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारी एवं विद्यालय के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यालय के सामने गूंजा वंदे मातरम, भाजपा ने निकाला जनाक्रोश मशाल जुलूस

सुल्तानपुर। कांग्रेस मुख्यालय पर सोनिया गांधी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा वंदे मातरम् के कथित अपमान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार देर शाम भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंदन नारायण सिंह के नेतृत्व में विशाल जनाक्रोश मशाल जुलूस निकाला। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं राष्ट्रप्रेमी नागरिकों ने सहभागिता की। मशाल जुलूस तिकोनिया पार्क से प्रारंभ होकर डाकखाना चौराहा होते हुए कांग्रेस जिला कार्यालय के सामने पहुंचा। कार्यकर्ताओं के हाथों में तिरंगा और मशालें थीं। पूरे मार्ग में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से वातावरण गूंजता रहा। कांग्रेस जिला कार्यालय के सामने पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' का गायन कर राष्ट्रगीत के सम्मान का संदेश दियज्ञं भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंदन नारायण सिंह ने कहा पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जिला कार्यालय के सामने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन करके यह संदेश देने का प्रयास किया है ।

पीआरडी जवानों की बढ़ी कैशैलेस योजना व ड्यूटी भत्ता

– जवानों ने सुना सीएम का संबोधन, जताया आभार
– वर्दी के साथ जिम्मेदारी व अनुशासन भी जरूरी:एडीएम

फतेहपुर। गोरखपुर में आयोजित प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का मंगलवार को विकास भवन सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनय पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जिले के पीआरडी अधिकारियों और जवानों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध यानपूर्वक सुना। शासन की ओर से जवानों के कल्याण के लिए शुरू की गई कैशलेस योजना और ड्यूटी भत्ते में बढ़ोतरी की जानकारी मिलने पर पीआरडी जवानों ने शासन–प्रशासन के प्रति आभार जताया।

एडीएम विनय पांडेय ने कहा कि प्रदेश सरकार को प्रांतीय रक्षक दल के जवानों से महत्वपूर्ण अपेक्षाएं हैं। पीआरडी जवान पुलिस विभाग के कर्मचारियों की तरह पूरी जिम्मेदारी, अनुशासन और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि जब कोई सुरक्षा कर्मी वर्दी धारण करता है तो उसके भीतर जिम्मेदारी के साथ मनोबल भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि जिले में पीआरडी जवान थानों और चौकियों के साथ ही कांवड़ यात्रा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, गंगा यात्रा, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों, न्यायालय, कलेक्ट्रेट, ट्रैफिक व्यवस्था, बैंकों समेत विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर सेवाएं दे रहे हैं। सरकारी दायित्वों को बेहतर ढंग से पूरा करने में जवानों की जिम्मेदारी और कार्य के प्रति रुचि बेहद महत्वपूर्ण है। एडीएम ने जवानों से कहा कि वर्दी के साथ उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी जाती है। ऐसे में अनुशासन, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा को प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीआरडी जवानों की कार्यशैली और सेवाओं को देखते हुए शासन स्तर से उनके हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। सजीव प्रसारण के दौरान पीआरडी जवानों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना। शासन की ओर से जवानों के लिए शुरू की गई कैशलेस योजना, ड्यूटी भत्ते में बढ़ोतरी को लेकर जवानों में उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने इसके लिए शासन और प्रशासन का आभार जताया।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 98 लीटर कच्ची शराब बरामद

सुल्तानपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत मंगलवार को सुल्तानपुर में आबकारी विभाग की टीम ने अवैध कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाया। जिलाधिकारी सुल्तानपुर एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देश तथा जिला आबकारी अधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–1 रण विजय सिंह और क्षेत्र–4 अरुण कुमार ने टीम के साथ कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के ग्राम चुनहा में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 98 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की।

सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़का हिंदू संगठन

- सावन में मीट की दुकानों को बंद कराने के विवाद का मामला

फतेहपुर। सोशल मीडिया पर हिंदू समाज को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी ने जिले में माहौल गरमा दिया। पोस्ट में हिंदू और मुस्लिम माताओं को लेकर आपत्तिजनक तुलना किए जाने का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध जताया। आक्रोशित संगठन के लोग सदर कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की।मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के मसवानी इलाके का बताया जा रहा है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि सावन माह में मांस की दुकानों को बंद रखने को लेकर नाराजगी के चलते सोशल मीडिया पर हिंदू समाज को निशाना बनाते हुए यह टिप्पणी की गई। पोस्ट सामने आने के बाद संगठन के लोगों में रोष फैल गया। उनका कहना है कि धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली ऐसी टिप्पणी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। मामले को लेकर हिंदू संगठन के लोगों ने सदर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। संगठन ने जिला प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। वहीं हिंदू संगठन के नेता धर्मेंद्र सिंह जनसेवक ने एक विशेष समुदाय के व्यक्ति पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से धमकी के मामले में भी तत्काल कार्रवाई की मांग की। संगठन के लोगों का कहना है कि सावन माह में मीट की दुकानों को बंद रखने की व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर इस तरह की पोस्ट कर माहौल खराब करने और हिंदू समाज को चुनौती देने का प्रयास किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। सोशल मीडिया पोस्ट की सत्यता, उसके स्रोत और लगाए गए आरोपों की जांच के बाद पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सफाई के टेंडर पर सवाल, एसडीएम की फटकार से मंडी में मचा हड़कंप

सुलतानपुर। भारतीय सब्जी–फल मंडी अमहट में सफाई और अव्यवस्थाओं को लेकर व्यापारियों का गुस्सा आखिरकार प्रशासन के दरवाजे तक पहुंच गया। शिकायतों की झड़ी के बाद उप जिलाधिकारी गरिमा सोनकिया ने मंडी सचिव और बड़े बाबू को तलब कर जमकर फटकार लगाई। सफाई व्यवस्था सवालों में होने के बावजूद टेंडर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी सामने आने पर उन्होंने टेंडर निरस्त करने के निर्देश दिए।

व्यापारियों का आरोप है कि मंडी में पिछले करीब छह महीने से सफाई का ठेका नहीं हुआ। जब टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई तो कथित तौर पर उसी फर्म को दोबारा ठेका देने की कोशिश की गई, जिसके पिछले कार्यकाल की सफाई व्यवस्था पर व्यापारी पहले से सवाल उठाते रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि जिस फर्म का ठेका समाप्त हो चुका था, उससे भी काम कराए जाने के आरोप हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब सफाई व्यवस्था ही बदहाल रही तो आखिर ठेके की 'मेहरबानी' किसके लिए थी? अध्यक्ष मोहम्मद शमीम उर्फ लईया के मुताबिक 10 अगस्त को मंडी निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने व्यापारियों की मौजूदगी में टेंडर खुलवाने का निर्देश दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद उसी फर्म के पक्ष में कथित तौर पर टेंडर देने का प्रयास किया गया।व्यापारियों ने मंडी की बदहाली का दूसरा चेहरा भी प्रशासन के सामने रखा। उनका कहना है कि हल्की बारिश में ही परिसर में जलभराव हो जाता है। नालियां चोक हैं शौचालय जर्जर और बदबूदार हैं तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था तक नहीं है। फल–सब्जियों के कारोबार वाली मंडी में पानी भरने से सामान खराब होने और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान होने की शिकायत भी सामने आई। यानी जिस मंडी में सब्जियां बिकनी चाहिए, वहां बारिश होते ही पानी की 'फ्री सप्लाई' शुरू हो जाती है!लाइसेंस के नाम पर ज्यादा वसूली का आरोपव्यापारियों ने मंडी लाइसेंस जारी करने के नाम पर निर्धारित शुल्क से कई गुना अधिक रकम वसूले जाने का आरोप भी लगाया।

बकरी चोर गैंग से पुलिस की मुठभेड़, सरगना के पैर में लगी गोली

- बोलेरो, तमंचा-कारतूस, 12500 रुपए नगद व लोहे की राड बरामद

फतेहपुर। रात के अंधेरे में घरों के बाहर बंधी बकरियों को सफेद बोलेरो में लादकर फरार होने वाले गैंग पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया। देवमई नहर पुलिया के पास बकेवर पुलिस और क्राइम डिटेक्शन टीम ने संदिग्ध बोलेरो को घेरा तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में 15 से अधिक मुकदमों वाला रफीक पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो साथियों को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया।पुलिस के मुताबिक बकेवर और औंग थाना क्षेत्रों में लगातार बकरी चोरी की घटनाएं सामने आने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के जरिए संदिग्ध वाहन और गैंग की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की थी। सोमवार रात पुलिस को सूचना मिली कि चोरी में इस्तेमाल होने वाली सफेद बोलेरो दोबारा जिले में दाखिल हुई है। इसके बाद बकेवर पुलिस और क्राइम डिटेक्शन टीम ने तत्काल घेराबंदी शुरू कर दी। देवमई नहर पुलिया के पास पुलिस ने बोलेरो को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में कछेवरा निवासी रफीक पुत्र सफीक के बाएं पैर में गोली लगी। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया। वहीं भागने का प्रयास कर रहे तेजानगर निवासी नसीम और जावेद को पुलिस टीम ने घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे .315 बोर, दो खोखा कारतूस, तीन जिंदा कारतूस, सफेद बोलेरो, 12500 रुपये नकद, लोहे की राड और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है

बारिश के पानी में डूबा रामबाग रेलवे स्टेशन

प्लेटफार्मों की पटरियां जलमग्न, झूंसी से चलेंगी ये चार पैसेंजर ट्रेनें
रामबाग स्टेशन की रेलवे कालोनी के घरों में घुसा पानी,

प्रयागराज। मानसून की जोरदार बारिश के कारण हर साल की तरह इस बार भी रामबाग रेलवे स्टेशन झील की शक्ल में तब्दील हो गया है, रेलवे यार्ड पूरी तरह डूब गया। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक, दो, तीन और चार की पटरियों पर कई फीट पानी भर जाने के कारण ट्रेनों का संचालन ठप हो गया है। हालात इतने बदतर हैं कि रामबाग से चलने वाली चारों पैसेंजर ट्रेनों को रामबाग से रद्द कर अब झूंसी स्टेशन से चलाने का फैसला लेना पड़ा है।

रामबाग स्टेशन पर पानी भरने के चलते यात्रियों को भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है।

जलभराव के कारण 65132 मऊ पैसेंजर, 65114 बनारस पैसेंजर, 55132 बलिया पैसेंजर और 65112 बनारस पैसेंजर झूंसी से चलाई जा रही है।वर्तमान में केवल विभूति एक्सप्रेस का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर पांच से किया जाएगा, क्योंकि सिर्फ यही एक प्लेटफॉर्म पानी के भराव से बचा हुआ है। रेलवे ने पांच नंबर की लाइन को खाली कराकर सामान की लोडिंग–अनलोडिंग और रैंप के जरिए आवागमन की व्यवस्था यहीं शिफ्ट कर दी है। बाकी पूरा यार्ड और चारों प्लेटफॉर्म पानी में समाए हुए हैं।कॉलोनी में 4–5 फीट पानी, जहरीले सांपों का खौफरेलवे कॉलोनी की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। क्वार्टरों में 4 से 5 फीट तक गंदा पानी घुस गया है। पानी के साथ घरों में जहरीले सांप निकलने से रेलकर्मियों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। जान बचाने के लिए रेलवे प्रशासन ने कोई रेस्क्यू नहीं चलाया तो कालोनी के लोगों ने खुद अपनी मदद और एक दूसरे का सहारा बने। कर्मचारियों और उनके परिवारों को बाहर निकाला और सुरक्षित इमारतों में शिफ्ट कराया। फिलहाल कर्मचारी अपना आशियाना छोड़ने को मजबूर हैं।यह कोई पहली बार नहीं है जब रामबाग स्टेशन का यह हाल हुआ हो। हर साल बारिश आते ही करोड़ों का राजस्व देने वाला यह स्टेशन पानी में डूब जाता है, पटरियां गायब हो जाती हैं और ट्रेनों के पहिए थम जाते हैं। हर साल भारी–भरकम बजट और ड्रेनेज सुधार के बड़े–बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन थोड़ी सी बारिश रेलवे के दावों की हवा निकाल देती है। सवाल उठता है कि जब हर साल यही तबाही मचती है, तो समय रहते जल निकासी का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाला जाता? रेलवे की इसी घोर लापरवाही का खामियाजा आज आम यात्रियों और अपने ही कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

बारिश से पूरे शहर का हाल बेहाल

पाश इलाकों में 4 फीट तक पानी, थानों और नगर निगम परिसर में भी जलभराव

प्रयागराज। पिछले दो दिनों से प्रयागराज में लगातार बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। सुबह से हो रही बारिश के चलते स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। बाजारों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। बारिश ने स्मार्ट सिटी प्रयागराज की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। शहर के पॉश इलाकों में घुटनों तक पानी भरा है। पुलिस और प्रशासनिक कार्यालयों से लेकर थानों तक के गेट पानी में डूबे है।शहर को स्मार्ट बनाने का दावा करने वाले नगर निगम के गेट के अंदर भी घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया है। सिविल लाइंस से लेकर पुराने शहर तक कई इलाकों में जलभराव है। शहर के कुछ इलाकों में 24 घंटे से घरों के निचले हिस्सों में पानी भरा हुआ है। हालात ऐसे है कि सैकड़ों परिवारों को घर की ऊपरी मंजिल पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।शहर के दारागंज, टैगोर टाउन, अलोपीबाग, करेली, सिविल लाइंस, जार्जटाउन, कटरा, निरंजन डॉटपुल, लीडर रोड, राजरूपपुर, चौक समेत कई मोहल्लों में घरों में पानी भर जाने से परेशानी बढ़ गई है। करेली के कुछ क्षेत्रों में एनडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है।प्रयागराज में आज (मंगलवार) को भी सुबह से रुक–रुक बारिश हो रही है। तेज बारिश होने से हालात बिगड़ गए हैं। शहर की अधिकतर क्षेत्रों की कॉलोनियों और गलियों में 4 फीट तक पानी भर गया है। कारें और बाइकें डूब गई हैं। मकानों के ग्राउंड फ्लोर आधे डूब चुके हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। जलभराव से लोगों को आने–जाने में परेशानी हुई। नगर निगम और सफाई एजेंसियों की इस बारिश में क्या तैयारी की थी, इसकी कलई तो खुल ही गई, सड़कों पर जगह–जगह जलभराव के कारण राहगीरों का गुजरना भी दूभर हो गया। कई पॉश इलाकों में तो सीवर के पानी के बैकफ्लो के कारण घरों में पानी घुस गया है। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एनडीआरएफ भी लगानी पड़ी। बारिश के दौरान तेज हवा के कारण सरस्वती घाट के एक गुंबद पर सीमेंट की छतरी ही उड़ गई। शहर में जगह–जगह जलभराव के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। पुराने शहर की जलभराव की स्थिति पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर तंज कसा है। मंगलवार को 12वीं तक के स्कूल भी बंद रहे।रविवार रात के बाद सोमवार की रात भी झमाझम बारिश हुई। मंगलवार सुबह लोगों की आंख खुली तो सड़कों पर पानी ही पानी था। अल्लापुर, टैगोर टाउन, जार्जटाउन आदि इलाकों में स्थिति ऐसी हो गई कि लोग घुटनों तक पानी के भीतर से आ–जा रहे थे।अल्लापुर के तिलक नगर, बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम, उंडिया, शिवनगर आदि क्षेत्रों में हुए जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। क्षेत्रीय नागरिकों को नगर आयुक्त सीलम साई तेजा व मुख्य अभियंता दिनेश सचान व महाप्रबंधक संजीव कुमार से मोरी गेट पंपिंग सेट पर मुलाकात की। लोगों ने जलनिकासी का उचित प्रबंध करने के लिए मांग उठाई।

जज के निजी सुरक्षा अधिकारी के बेटे पर हमला

लोहे की राड, लात–घूंसों से पीटा, 6 पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में जज के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) के बेटे को लात–घूंसों और लाठी–डंडों से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक खड़ी करने को लेकर मरहूम माफिया अतीक अहमद के करीबियों से उसका विवाद हो गया। इस दौरान आरोपियों ने पीएसओ के बेटे से गाली–गलौज की। विरोध करने पर उसका मुंह दबा दिया और जबरन खींचकर घर के अंदर ले गए। वहां पर लोहे की रॉड और धारदार हथियार से उसकी पिटाई की गई। युवक की चीख–पुकार सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। इसके बाद जज के पीएसओ ने थाने पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी–मसारी निवासी हेड कांस्टेबल कमालुद्दीन जज के पीएसओ हैं। रविवार रात करीब 8रू30 बजे उनका बेटा मोहम्मद इमरान फुटबॉल खेलकर घर लौटा था। वह घर के बाहर बाइक खड़ी कर रहा था। इसी दौरान गोलू उर्फ सलाम, तैय्यब और कलाम पुत्र महाजन, राशिद उर्फ नीलू, उसका भाई और मोहम्मद उमर वहां पहुंच गए।सभी लोग इमरान को गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसका मुंह दबा दिया और जबरन खींचकर अपने घर के अंदर ले गए। वहां लोहे की रॉड और लात–घूंसों से उसकी पिटाई की गई। इमरान की चीख–पुकार सुनकर उसके पिता, मां और बहन साजिया परवीन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान लोहे की रॉड, लोहे की पट्टी और धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया। परिवार किसी तरह वहां से निकलकर पड़ोसी तौफिक के घर पहुंचा और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।

इसके बाद गोलू उर्फ सलाम ने फोन कर 10–12 अन्य युवकों को बुला लिया। कुछ देर बाद ये लोग भी वहां पहुंच गए और पड़ोसी के घर में घुसकर परिवार के लोगों से मारपीट करने लगे। गोलू उर्फ सलाम ने साथ आए युवकों को परिवार को जान से मारने की धमकी दी। जाते समय भी हमलावरों ने धमकाया और खुद को अतीक अहमद के रिश्तेदार परिवार से जुड़ा बताया।वहीं पर एक राहगीर ने पुलिस को घटना की सूचना दे दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से चले गए। इसके बाद कमालुद्दीन ने धूमनगंज पुलिस ने 6 नामजद समेत 12 लोगों को खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

सर्राफा कारोबारियों की सुरक्षा की उठी मांग

प्रयागराज। स्वर्णकार समाज की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच की प्रयागराज इकाई ने मंगलवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री शश योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कौशल सोनी के निर्देश पर यह ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन में उत्तर प्रदेश में स्वर्ण कला बोर्ड के गठन, पात्र सर्राफा कारोबारियों को साहूकारी लाइसेंस उपलब्ध कराने, सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस में प्राथमिकता देने तथा स्वर्णकार कारीगरों एवं सर्राफा कारोबारियों को स्वर्ण एवं रजत धातु उपलब्ध कराने की व्यवहारिक व्यवस्था किए जाने की मांग की गई।मंच पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्णकार एवं सर्राफा कारोबारियों को लूट, चोरी, डकैती, हत्या और उचक्कागिरी जैसी गंभीर घटनाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम के साथ पीड़ितों को आर्थिक सहायता, सुरक्षा एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।जिला महामंत्री एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार सोनी (राज सोनी) ने कहा कि समाज की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सलाहकार एवं उच्च न्यायालय की अधिवक्ता सुषमा सोनी, अमन सोनी, अमर सोनी, भानु प्रताप सेठ, विष्णु प्रसाद वर्मा, आनंद वर्मा, अरुण सोनी, रजनीश, अभिषेक एवं अविनाश समेत मंच के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन सितंबर को लखनऊ में उमड़ेगा व्यापारियों का सैलाब- संदीप बंसल

प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं स्वदेशी व्यापारी वंश के राष्ट्रीय सह संयोजक संदीप बंसल ने प्रयागराज मंडल के अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के 33वें स्थापना दिवस पर 3 सितंबर को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में व्यापारियों का सैलाब उमड़ेगा। स्वदेशी व्यापारी कुंभ के माध्यम से प्रदेश के सभी पचहत्तर जनपदों के व्यापारी, प्रतिनिधि और देश के बारह राज्यों के प्रतिनिधि इस कुंभ में उपस्थित रहेंगे।संदीप बंसल ने कहा कि व्यापारी को आईएएस जैसा सम्मान दिलाना इधर जाते इस स्वदेशी व्यापारी कुंभ का प्रमुख संकल्प और उद्देश्य है। आज प्रयागराज मंडल की बैठक में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रिपन कंसल्ट, महिला प्रदेश अध्यक्ष अनीता जायसवाल, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा अध्यक्ष अश्विन वर्मा, मंडल प्रभारी विपिन गुप्ता, , जिलाध्यक्ष लालू मित्तल, नगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल, गंगापार अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी प्रदेश के सोशल मीडिया प्रभारी संजय निधि अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।

विश्व कप 2027 में क्वालीफाई करने का हमारे पास अच्छा मौका : ओवेन डाकिन्स

एडिनबर्ग ,18 अगस्त ,। स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम के कोच ओवेन डॉकिन्स ने कहा है कि उनकी टीम 12 साल का सूखा खत्म करने और अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने की अच्छी स्थिति में है। स्कॉटलैंड आखिरी बार वनडे विश्व कप 2015 में खेली थी। स्कॉटलैंड ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 टूर्नामेंट में अच्छी कोशिशों के बाद अगले साल के क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर इवेंट के लिए जगह बना ली है। वे अब अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में क्वालीफाई करन से एक कदम दूर हैं। स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए 2027 की शुरुआत में क्वालीफायर इवेंट में टॉप चार में जगह बनानी होगी। ओवेन डॉकिन्स ने क्रिकेट स्कॉटलैंड बातचीत में कहा, हम अभी अच्छी जगह पर हैं। इस सीरीज ने हमारी टीम के कैरेक्टर और क्षमता को दिखाया है। ग्लोबल क्वालीफायर के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है, और इसमें शामिल हर कोई हमारी तरक्की पर गर्व कर सकता है।

उन्होंने कहा, वनडे क्रिकेट वैश्विक गेम के लिए एक बहुत जरूरी फॉर्मेट बना हुआ है, और अगर हम दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वर्ल्ड कप तक पहुंचते हैं तो यह एक शानदार कामयाबी होगी। यह एक ग्रुप के तौर पर हमारे लिए सबसे बड़ी कामयाबी होगी। यह एक ऐसा फॉर्मेट है जिसकी हमें और वर्ल्ड क्रिकेट को जरूरत है, ताकि हमारे खिलाड़ियों को विकसित होने में मदद मिल सके और हमारा खेल आगे बढ़ सके, कामयाब हो सके।

स्कॉटलैंड मे हाल ही में अपने घरेलू मैदान पर कनाडा और यूएई के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में शीर्ष टीम रही थी।

डॉकिन्स ने कहा, पिछले दो सप्ताह में कुछ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। फिन मैक्रीथ ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। रिची बेरिंगटन ने फाइनल में शतक लगाया। लाइल रॉबर्टसन ने डेब्यू करते हुए वनडे क्रिकेट इतिहास का चौथा सर्वश्रेष्ठ स्पेल फेंका। हालांकि, मुझे सबसे जयादा संतुष्टि टीम के प्रदर्शन से मिलती है।

उन्होंने कहा, यह सफलता किस्मत की वजह से नहीं है। टीम स्किल की वजह से मिली है। सफलता में टीम में शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण का सहयोग है। यह कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के शानदार काम को भी दिखाता है, जिससे खिलाड़ियों को अपनी योजना में ज्यादा स्पष्टता मिली और ज्यादा फिट, ज्यादा मजबूत और बेहतर तरीके से टिके रहने और उन कड़े गेम जीतने में मदद मिली।

भारत के आयुष शेट्टी ने दुनिया के नंबर-1 बैडमिंटन खिलाड़ी को हराकर रचा इतिहास, पीवी सिंधु भी जीतीं

नई दिल्ली ,18 अगस्त ,। भारत की राजधानी दिल्ली में शुरू हुई बैडमिंटन वर्ल्ड चौंपियनशिप के पहले ही दिन एक ऐसा बड़ा उलटफेर देखने को मिला है, जिसने खेल जगत को पूरी तरह से चौंका दिया है। भारत के उभरते हुए युवा बैडमिंटन स्टार आयुष शेट्टी ने अपने असाधारण खेल से इतिहास रचते हुए वर्ल्ड चौंपियन और दुनिया के नंबर–1 चीनी खिलाड़ी शी यू ची को टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर का रास्ता दिखा दिया है। दुनिया के 22वें नंबर के भारतीय शटलर की इस ऐतिहासिक और अविश्वसनीय जीत से पूरे स्टेडियम और देश में खुशी की लहर दौड़ गई है।रोमांचक मुकाबले में दुनिया के नंबर–1 खिलाड़ी को दी करारी मात

नई दिल्ली के ऐतिहासिक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में सोमवार से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का शानदार आगाज हुआ। मेंस सिंगल्स के पहले राउंड में आयुष शेट्टी के सामने चीन के दिग्गज और मौजूदा वर्ल्ड नंबर–1 शी यू ची की बेहद कठिन चुनौती थी। लेकिन भारतीय युवा स्टार ने बिना किसी दबाव के कोर्ट पर अपना दबदबा दिखाया। आयुष ने इस बेहद रोमांचक मुकाबले को 21–14, 13–21 और तीसरे निर्णायक गेम में शानदार जीत दर्ज करते हुए अपने नाम कर लिया। इस करारी हार के साथ ही चीनी चौंपियन का सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया है और भारतीय स्टार ने दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है।

जूनियर से लेकर सीनियर तक, आयुष शेट्टी का शानदार सफर

आयुष शेट्टी लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सबसे पहले साल 2023 की वर्ल्ड जूनियर चौंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी खास पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्हें सबसे बड़ी कामयाबी साल 2025 के यूएस ओपन में मिली थी, जहां उन्होंने फाइनल मुकाबले में कनाडा के ब्रायन यांग को 21–18, 21–13 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ (क्चड्खस्न्) वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया था। अपनी इसी लय को बरकरार रखते हुए आयुष ने 2026 की बैडमिंटन एशिया चौंपियनशिप में भी शानदार प्रदर्शन किया था और सिल्वर मेडल हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

पीवी सिंधु का भी धमाकेदार आगाज, एकतरफा मुकाबले में दर्ज की जीत

भारत की दिग्गज महिला शटलर और दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने भी वर्ल्ड चौंपियनशिप में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। वर्ल्ड नंबर–9 सिंधु ने विमेंस सिंगल्स के अपने पहले मैच में आयरलैंड की सोफिया नोबल को महज 29 मिनट चले एकतरफा मुकाबले में 21–7, 21–11 से करारी शिकस्त दी। सिंधु ने पहले गेम में शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए 8–0 की मजबूत बढ़त बना ली थी और 21 साल की सोफिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। हालांकि दूसरे गेम में 141वीं रैंकिंग वाली नोबल ने थोड़ा बेहतर खेल दिखाया और ब्रेक तक वह सिंधु से सिर्फ 3 अंक ही पीछे थीं, लेकिन भारतीय दिग्गज ने अनुभव का फायदा उठाते हुए अगले 13 में से 10 अंक झटक कर मैच आसानी से अपने नाम कर लिया। अब दूसरे राउंड में पीवी सिंधु का सामना कनाडा की वेन यू झांग से होगा।

वैश्विक तनावों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से शेयर बाजार पर दबावय सेंसेक्स 365 अंक टूटा, निफ्टी 24,250 के नीचे फिसला

मुंबई ,18 अगस्त ,। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों के 91 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंचने से हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भी भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। यह लगातार छठा दिन है जब बाजार में बिलवाली देखने को मिली है। भू–राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया, जिसके चलते शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पर दबाव देखने को मिला।कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,728.16 से 309.19 अंक यानी 0.39 प्रतिशत गिरकर 77,418.97 के स्तर पर खुला। वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,287.65 से 0.26 प्रतिशत गिरकर 24,223.85 लेवल पर खुला।खबर लिखे जाने तक सेंसेक्स 263.98 अंकों यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,464.18 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के सत्र में इसने 77,575.21 का हाई और 77,362.19 का लो बनाया, जो 365 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।वहीं निफ्टी 50 42.40 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर करीब 24,245.25 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया। दिन के सत्र में इसने 24,211.10 का लो और 24,269.65 का हाई बनाया।व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.08 प्रतिशत की गिरावट आई और स्मॉलकैप में 0.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।सेक्टोरल मोर्चे पर सबसे ज्यादा दबाव निफ्टी आईटी इंडेक्स में देखने को मिला, जो 1 प्रतिशत से अधिक टूट गया। इसके अलावा, निफ्टी मिडस्मॉल आईटी एंड टेलीकॉम में 0.62 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी में करीब 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक, मीडिया, मेटल और एफएमसीजी शेयरों में भी बिकवाली का रुख रहा।हालांकि कुछ क्षेत्रों में मजबूती भी देखने को मिली। निफ्टी ऑटो इंडेक्स लगभग 0.40 प्रतिशत चढ़ा, जबकि पीएसयू बैंक इंडेक्स में 0.29 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इससे संकेत मिलता है कि व्यापक बाजार में चुनिंदा सेक्टरों में खरीदारी जारी है।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के 91 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने और अमेरिकी 10–वर्षीय ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड के बढ़कर 4.73 प्रतिशत पर पहुंचने से इक्विटी बाजारों पर दबाव बढ़ा है। ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के लिए उभरते बाजारों में निवेश को कम आकर्षक बना सकती है।विश्लेषकों का मानना है कि निकट अवधि में कच्चे तेल के ऊंचे भाव भारतीय बाजार की तेजी को सीमित कर सकते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई, चालू खाते के घाटे और कॉरपोरेट लागत पर पड़ सकता है।

हालांकि बाजार विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और कॉरपोरेट आय में सुधार के संकेत घरेलू बाजार को सहारा दे सकते हैं। उनका कहना है कि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के पास पर्याप्त नकदी है और वे बड़ी गिरावट आने पर खरीदारी कर सकते हैं। साथ ही खुदरा निवेशक भी बाजार में कमजोरी का उपयोग लंबी अवधि के लिए अच्छे शेयरों में निवेश बढ़ाने के अवसर के रूप में कर सकते हैं।बाजार में यह दबाव ऐसे समय आया है जब रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि ईरान अधिक आक्रामक रणनीति अपना सकता है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम व्यवस्था को आगे बढ़ाने की संभावना से इनकार किया है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं।इन घटनाक्रमों के बाद ब्रेंट क्रूड पिछले बंद स्तर से करीब 0.60 प्रतिशत बढ़कर 91 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 85.37 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा।विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक पश्चिम एशिया में तनाव कम नहीं होता और तेल बाजार में स्थिरता नहीं आती, तब तक वैश्विक और भारतीय शेयर बाजारों में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। फिलहाल निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और भू–राजनीतिक घटनाक्रमों पर बनी हुई है।

गाले टेस्ट : दिनेश चांदीमल चोटिल, स्कैन के लिए भेजा गया अस्पताल

गाले ,18 अगस्त ,। श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन बड़ा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। चांदीमल को कंधे और गर्दन में चोट लगी है। उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मंगलवार को पहले सेशन में फील्डिंग करते समय बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय चांदीमल के दाहिने कंधे और गर्दन में चोट लग गई। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सकों ने ग्राउंड पर उनकी जांच की और उन्हें एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है। स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद उनकी इंजरी का अपडेट दिया जाएगा।

केएल राहुल के डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ से लगाए स्वीप को रोकने के लिए चांदीमल आगे बढ़े। उन्होंने गेंद को रोक दिया, लेकिन खुद को चोटिल कर बैठे। वे पूरी तरह से गिर गए, और उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया। उन्हें अपनी गर्दन का पिछला हिस्सा पकड़े हुए देखा गया। फिजियो देखने आए, फिर उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।चांदीमल श्रीलंका के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं। पहली पारी में वह महज 4 रन बना सके थे, लेकिन मैच की परिस्थितियों को देखते हुए दूसरी पारी में वह बेहद अहम हो सकते हैं। श्रीलंका चाहेगी कि उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर न हो।मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए देवदत्त पड्डिकल के 167 और केएल राहुल के 82 रन की बदौलत पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमट गई और भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 178 रन से पिछड़ रही है। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में रिपोर्ट लिखे जाने तक 27.3 ओवर में 4 विकेट पर 111 रन बना लिए थे।

मानसून की कमी और अल नीनो के असर से खरीफ बुआई घटकर 1016.57 लाख हेक्टेयर, धान का रकबा 14.37 फीसदी कम

नई दिल्ली ,18 अगस्त ,। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल 14 अगस्त तक देशभर में चालू सीजन में खरीफ फसलों की बुआई का कुल क्षेत्रफल 1016.57 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 1037.52 लाख हेक्टेयर था।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक धान की खेती का रकबा 379.07 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 393.44 लाख हेक्टेयर था। बुवाई के रकबे में आई 14.37 प्रतिशत की इस कमी का कारण इस साल मानसून की कमी और श्अल नीनोश मौसम पैटर्न का बुरा असर है।उड़द और मूंग जैसी दालों की खेती का रकबा 108.14 लाख हेक्टेयर पर स्थिर रहा है (पिछले साल इसी अवधि में यह 108.49 लाख हेक्टेयर था), क्योंकि इन फसलों को कम पानी की जरूरत होती है।ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाजों या मिलेट्स की खेती का रकबा मौजूदा सीजन में अब तक 172.96 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले साल इसी अवधि के 177.13 लाख हेक्टेयर से कम है।गन्ने की खेती का रकबा, जो एक सालाना फसल है और जल्दी बोई जाती है, अब तक 58.31 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 58.62 लाख हेक्टेयर था।मौजूदा खरीफ सीजन में अब तक कपास की बुवाई का रकबा 107.30 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले साल बोए गए 108.26 लाख हेक्टेयर के लगभग बराबर है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मार्केटिंग सीजन 2026–27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी।मार्केटिंग सीजन 2026–27 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट 2018–19 की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना स्तर पर तय करने की बात कही गई थी।उत्पादन लागत पर किसानों को मिलने वाला अनुमानित मार्जिन मूंग (61 प्रतिशत) के मामले में सबसे ज्यादा रहने का अनुमान है, इसके बाद बाजरा (56 प्रतिशत), मक्का (56 प्रतिशत) और तुअरध्अरहर (54 प्रतिशत) का स्थान है। एक सरकारी बयान के मुताबिक, बाकी फसलों के लिए किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत का मार्जिन मिलने का अनुमान है।हाल के वर्षों में, सरकार ने अनाज के अलावा दूसरी फसलों, जैसे दालों, तिलहन और न्यूट्री–सीरियल्स (पौष्टिक अनाज), की खेती को भी बढ़ावा दिया है और इनके लिए ज्यादा एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की पेशकश की है।

एमजी की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लान्च, फीचर्स और रेंज के बारे में पढ़िए

नई दिल्ली ,18 अगस्त ,। बाजार में एमजी की ओर से जल्द ही नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर रूत्र घ्द्गष्ह्लशह्म् ञ्जशद्वड्डद्वड्ड2द्म को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से इस एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। कितनी रेंज के साथ इसे ऑफर किया जा सकता है। किस कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च होगी नई श्वड्क

एमजी की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई गाड़ी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से रूत्र घ्द्गष्ह्लशह्म् ञ्जशद्वड्डद्वड्ड2द्म नाम से लॉन्च की जाने वाली एसयूवी को इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में ऑफर किया जाएगा। इस एसयूवी को रूत्र स्नड्डश्चह्ल प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है।

कितनी होगी रेंजरू

एमजी की ओर से नई एसयूवी में 60 ्यड्खद्ध की क्षमता की बैटरी को दिया जा सकता है। जिसको फुल चार्ज करने के बाद करीब 500 से 550 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है। इसमें सिंगल मोटर को दिया जा सकता है। जिससे इसे 136 पीएस की पावर और 200 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिल सकता है।

कैसे होंगे फीचसरू

निर्माता की ओर से इस एसयूवी के फ्रंट में सी आकार में एलईडी डीआरएल को दिया जाएगा। इसमें एलईडी हेडलाइट, एलईडी टेल लाइट, सात सीटों का विकल्प, प्रीमियम इंटीरियर, रूफ रेल, पैनोरमिक सनरूफ जैसे कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जाएगा। इसके साथ ही इसमें फ्लैट बोनट, बॉडी क्लैडिंग, 12.8 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलैस चार्जर, रुद्ग1द्गद्य–2 ्ष्ठ्रस् जैसे कई फीचर्स भी दिए जा सकते हैं।

सेबी ने प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा, घटनाओं की रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए दो पोर्टल लान्च किए

प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने सोमवार को प्रतिभूति बाजार के पूरे इकोसिस्टम में साइबर सुरक्षा, साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग और जानकारी साझा करने की व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से दो नई पहल की घोषणा की।

साइबर डिफेंस पर आयोजित सेबी के एक सेमिनार को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि साइबर खतरे संगठनात्मक और नियामकीय सीमाओं से परे होते हैं और इनका असर आपस में जुड़े संस्थानों, यहां तक कि राष्ट्रीय सीमाओं के पार भी हो सकता है।प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के प्रयासों के तहत सेबी ने संशोधित इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल और नया साइबर सुरक्षा पोर्टल लॉन्च किया है।पांडे ने कहा कि किसी एक संगठन से शुरू होने वाली साइबर घटना वेंडरों, टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, थर्ड पार्टी या अन्य जुड़े संस्थानों के जरिए फैल सकती है। इसलिए साइबर रेजिलिएंस नई दिल्ली ,18 अगस्त ,। भारतीय संगठनों के स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरे वित्तीय इकोसिस्टम में मजबूत करने की जरूरत है।

संशोधित सेबी इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा संबंधी घटनाओंकी रिपोर्टिंग को अधिक व्यवस्थित, समयबद्ध और उपयोगी बनाना है। यह पोर्टल वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के लिए घटना रिपोर्टिंग एक्सचेंज प्रारूप (फायर)के अनुरूप है। इसका उद्देश्य घटना रिपोर्टिंग में अधिक एकरूपता लाना और सीमा–पार रिपोर्टिंग में आने वाली दिक्कतों को कम करना है।दूसरी पहल, साइबर सुरक्षा पोर्टल , हितधारकों के बीच साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा। इसके माध्यम से साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी, कमजोरियों से संबंधित चेतावनियां, नीतिगत उपाय और साइबर घटनाओं से मिले अनुभव साझा किए जा सकेंगे।पांडे ने कहा कि ये केवल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म

हरियाणा के धाकड़ ताऊ : 75 साल की उम्र में 401 मेडल और 300 से ज्यादा सर्टिफिकेट्स, रिकार्ड्स बुक में दर्ज है नाम

नई दिल्ली ,18 अगस्त ,। हरियाणा स्थित चरखी–दादरी के रहने वाले रामकिशन शर्मा के नाम एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल और सर्टिफिकेट जीतने का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2016 से 2025 के बीच राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की चौंपियनशिप में 401 मेडल और 336 सर्टिफिकेट अपने नाम किए हैं।5 मई 1950 को जन्मे रामकिशन शर्मा ने 65 साल की उम्र में श्मास्टर एथलेटिक्स गेम्सश्की शुरुआत की थी। आज उनका श्इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्सश और श्एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्सश में दर्ज है।हरियाणा के श्धाकड़ ताऊश ने 25 दिसंबर 2016 से मास्टर एथलेटिक्स गेम्स में हिस्सा लेना शुरू किया था, जो 30 या 35 वर्ष और उससे अधिक आयु के एथलीट्स के लिए आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं की एक श्रेणी है। इसे श्वेटरन एथलेटिक्सश भी कहा जाता है। करीब 10 वर्षों में रामकिशन शर्मा ने ये उपलब्धि हासिल कर ली।रामकिशन 100 मीटर दौड़ 200 मीटर दौड़ 400 मीटर दौड़ 800 मीटर दौड़ लॉन्ग जंप, हर्डल और ट्रिपल जंप जैसे इवेंट्स में हिस्सा लेते हैं। उनके पास राष्ट्रीय स्तर पर 162 गोल्ड और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 10 गोल्ड मेडल हैं। इनके अलावा, 98 गोल्ड राज्य स्तर पर भी जीते हैं। रामकिशन 27 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम कर चुके हैं।कोरोना काल में रामकिशन ने आर्य समाज की टीम के साथ, घर–घर जाकर सरकारीध्गैर–सरकारी इमारतों में मास्क और राशन वितरण किया था, उनके पास कोरोना योद्धा के तौर पर 40 सर्टिफिकेट भी हैं। आज बतौर श्कोरोना योद्धाश उनका नाम श्इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्सश में दर्ज है।रामकिशन 30–35 साल से नशा मुक्ति अभियान में जुड़े हैं जिन्हें करीब 40 गांवों से सम्मान पत्र मिले हैं। रामकिशन 75 साल की उम्र में भी फिटनेस के मामले में युवाओं को मात दे रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा, आज का युवा नशे की गिरफ्त में है, वो बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, शराब के आदि हैं।

फिल्म सरदार 2 से आशिका रंगनाथ का फर्स्ट लुक जारी

टैलेंटेड और खूबसूरत एक्ट्रेस आशिका रंगनाथ आज अपना जन्मदिन मना रही हैं और उन्हें हर तरफ से बधाईयां मिल रही हैं। हाल ही में, उनकी आने वाली फिल्म सरदार 2 के मेकर्स ने फिल्म से आशिका का फर्स्ट लुक जारी किया है।

वह बेहद खूबसूरत, आकर्षक और ग्लैमरस लग रही हैं और उनकी आँखों में एक खास चमक है। उन्हें किताबों से भरी अपनी डेस्क पर बैठे और गहरी नजर से देखते हुए दिखाया गया है। इस फिल्म में सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन पी.एस. मित्रन कर रहे हैं और यह हिट फिल्म सरदार का सीक्वल है।

फिल्म के प्रमोशन और टीजर को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म में मालविका मोहनन दूसरी मुख्य अभिनेत्री हैं और इसका संगीत सैम सी.एस. ने तैयार किया है। योगी बाबू भी फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

प्रिंस पिक्चर्स के बैनर तले एस. लक्ष्मण कुमार और ईशान सक्सेना इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म अन्नपूर्णा स्टूडियोज के बैनर तले तेलुगु में रिलीज की जा रही है।

अल्लू अर्जुन की फिल्म राका में गर्भवती महिला के किरदार में होंगी दीपिका,जाह्नवी और रश्मिका के किरदारों का भी खुलासा

अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म राका का उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एटली के निर्देशन में बन रही ये एक एक्शन थ्रिलर है, जिससे अभिनेता का पहला लुक आने के बाद फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह का माहौल है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं, जो पहली बार अल्लू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर भी इसका हिस्सा हैं। हालिया रिपोर्ट में इन सभी की भूमिकाओं को लेकर अपडेट आया है।रिपोर्ट के मुताबिक, राका में दीपिका को एक गर्भवती महिला के किरदार में देखा जाएगा, जिसका जीवन–मरण का संघर्ष फिल्म के भावनात्मक पहलुओं में से एक है।बताया जा रहा है कि उनका किरदार फिल्म के पौराणिक वैदिक युग में फिल्माए जा रहे विशाल संसार में शामिल होगा।

दिलचस्प बात ये है कि दीपिका असल जिंदगी में भी गर्भवती हैं और गर्भावस्था के तीसरे चरण में अपने दृश्यों की शूटिंग को जारी रख रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जाह्नवी इसमें एक आदिवासी रानी, एक निडर और शक्तिशाली नेता का किरदार निभाएंगी, जो फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभाएगी।रश्मिका को एक मार्गदर्शक और रक्षक की भूमिका में देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि उनका किरदार, दीपिका को राका की खतरनाक दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करता है और उसके अस्तित्व की लड़ाई में अहम भूमिका निभाता है।

लगभग 1,000 करोड़ रुपये के बजट वाली ये फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

एक्ट्रेस अनन्या राज नहीं रहीं

, क्ट्रेस अनन्या राज के निधन की खबर आई है। ये सूचना अनन्या राज के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके परिवार के माध्यम से दी गई है। परिवार ने एक पोस्ट में बताया कि अनन्या का निधन 1 महीने पहले 15 जुलाई को हो गया था। पिछले 1 साल से अधिक समय से अनन्या शारीरिक और मानसिक तकलीफों से संघर्ष कर रही थीं।अनन्या राज के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके परिवार की तरफ से पोस्ट किया गया, यह अनन्या का परिवार है। बहुत दुख के साथ हमें यह बताना पड़ रहा है कि 15 जुलाई की सुबह–सुबह अनन्या का निधन हो गया। सोते हुए ही शांति से उन्होंने अंतिम सांस ली। पिछले एक साल से ज्यादा समय से वह शारीरिक और मानसिक तकलीफों से जूझ रही थीं। और उन्होंने उनसे उबरने के लिए एक योद्धा की तरह संघर्ष किया।

इस पोस्ट में आगे लिखा है, वह बहुत मजबूत इरादों वाली लड़की थीं और एक रानी की तरह जीती थीं। बच्ची, तुम्हारी कमी बहुत खलेगी। हम आप सभी से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं और इस मुश्किल समय में, हम अपनी निजता और शांति बनाए रखना चाहते हैं। अनन्या राज के इंस्टाग्राम पर लगभग 275 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके बायो में अनस्टॉपेबल शब्द लिखा था, जो उनके जज्बे को दिखाता था। उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर फैंस शोक व्यक्त कर रहे हैं। कई लोगों ने टूटे दिल और हाथ जोड़ने वाले इमोजी के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

बता दें कि अनन्या राज ने 27 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। अनन्या राज ने बॉलीवुड की 7 आवर्स टू गो, द फाइनल एग्जिट और घोस्ट फिल्म में काम किया था। अनन्या राज हिंदी और रीजनल सिनेमा में काम करती थीं। अनन्या ने कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया था।

अनन्या की पहली बॉलीवुड फिल्म 7 आवर्स टू गो साल 2016 में आई थी। इसके अगले साल ही 2017 में अनन्या राज की फिल्म द फाइनल एग्जिट रिलीज हुई थी। फिर 2019 में घोस्ट मूवी में अनन्या राज नजर आई थीं। अनन्या राज, बॉलीवुड से लेकर रीजनल सिनेमा की फिल्मों में काम करके अपना नाम बनाने में जुटी हुई थीं, लेकिन अब अचानक उनके दुनिया से जाने की खबर आई है। कुछ दिनों पहले मशहूर अभिनेता प्रदीप रावत के निधन की खबर भी आई थी। प्रदीप रावत गजनी फिल्म में मेन विलेन बने थे। ¼fgQh½

जया के गुस्से से इस तरह बचते अमिताभ

मेगास्टार अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन–18 से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। शो में अभिनेता अक्सर निजी जिंदगी या अपनी जिंदगी के यादगार पलों का खुलासा करते रहते हैं।

शो के दौरान अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कंटेस्टेंट से कहा, अभिषेक और मेरी स्पोर्ट्स देखने में बहुत दिलचस्पी हैं और इस दौरान हम बहुत अजीब हरकतें करते हैं। कंटेस्टेंट ने अभिनेता से पूछा कि क्या जया बच्चन को घर पर मैच देखने में कोई दिक्कत नहीं होती, क्योंकि मेरी पत्नी को तो होती है, तो मेगास्टार ने हंसते हुए इसकी पुष्टि करते हुए अपना तरीका बताया। उन्होंने कहा, बिल्कुल सर, ऐसा ही कुछ होता है लेकिन हमने थोड़ी–सी अकलमंदी लगाई है। दरअसल, हमने एक अलग टीवी लगवाया है और पत्नी जया बच्चन को बोलते हैं कि आप जाकर सो जाइए, बहुत देर हो गई है, तो वह जाकर सो जाती हैं और हम लोग रात भर मैच देखते हैं। मेगास्टार ने आगे बातचीत में यह भी बताया कि वे यह भी सुनिश्चित करते हैं कि उनकी उत्सुकता से किसी की नींद खलल न हो। अमिताभ बच्चन ने कहा, एक बात और आपको बता दें कि हमारी वजह से किसी को दिक्कत न हो या नींद खराब न हो इसलिए हम हेडफोन लगाकर सुनते हैं, देखते हैं या फिर वॉल्यूम कम रखते हैं। एक्टर ने कहा कि जब उनकी टीम जीत जाती है तो चुप रहना खासतौर पर मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, क्योंकि भाईसाहब ऐसा होता है, जब हम लोग मैच देखते हैं और इस दौरान हमारी टीम जीत जाती है, तो उत्सुकता में हम चिल्लाते हैं। उस आवाज को सुनकर घर वाले नींद से उठ जाते हैं और सोचते हैं कि कुछ हो, तो नहीं गया। फिर हमें समझाना पड़ता है कि हमारी टीम ने गोल कर दिया या चौका–छक्का लग गया है। (हिफी)

स्टंट से कमजोर हुई जैस्मीन की याददाश्त

जैस्मीन भसीन ने खतरों के खिलाड़ी 15 के सेट पर हुए एक डरावने अनुभव के बारे में बताया है। उन्होंने शेयर किया कि शो में पानी और हवा वाला स्टंट करने के कुछ समय बाद उनकी याददाश्त कमजोर हो गई थी और बाद में पता चला कि उनके सिर में चोट लगने से दिमाग पर बुरा असर हुआ था। इस वजह से एक्ट्रेस जैस्मीन की याददाश्त कुछ समय के लिए चली गई थी और उनकी यह बात शो के होस्ट रोहित शेट्टी भी घबरा गए। जैस्मीन, जो पहले नागिन : भाग्य का जहरीला खेल, खतरों के खिलाड़ी– मेड इन इंडिया और बिग बॉस 14 जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें स्टंट के ठीक बाद क्या हुआ, यह याद नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अभी भी उनको इस बारे में कुछ याद नहीं है।

खतरों के खिलाड़ी 15 के नए प्रोमो में इस घटना के बारे में बात करते हुए जैस्मीन भसीन ने कहा, यह मेरे लिए बहुत ही हैरान करने वाला अनुभव था। मुझे याद नहीं है कि स्टंट के ठीक बाद क्या हुआ था और अभी भी उस स्टंट का एक हिस्सा मुझे बिल्कुल याद नहीं है। मुझे कुछ भी याद नहीं आ रहा है। मैं यहां क्या कर रही हूं। डॉक्टरों ने बताया कि मुझे हल्का कनकशन हुआ है और मुझे 72 घंटे तक पूरा आराम करने की सलाह दी। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपडेट दी है कि उन्हें इस खतरनाक स्टंट के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। इसके पहले रुबीना दिलैक को अस्पताल ले जाया गया था। एक्ट्रेस ने मुश्किल हालात में उनका साथ देने के लिए शो के होस्ट रोहित शेट्टी, चैनल, प्रोडक्शन टीम और मेडिकल स्टाफ का भी शुक्रिया अदा किया। जैस्मीन भसीन ने जब रोहित शेट्टी से पूछा कि स्टंट क्या था? मुझे कुछ याद नहीं तो घबराते हुए रोहित शेट्टी ने कहा, क्या स्टंट याद नहीं, तुम्हें नहीं पता तुमने अभी क्या किया? (हिफी)

सावन के पावन अवसर पर 51 जोड़ों का सामूहिक रुद्राभिषेक संपन्न

अमरेंद्र श्रीवास्तव

जौनपुर । सावन के पावन अवसर पर जौनपुर स्थित नव दुर्गा शिव मंदिर,सन्निकट सद्भावना पुल, में 51 जोड़ों का भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने देवाधिदेव महादेव का अभिषेक कर परिवार एवं समाज के लिए सुख–समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की।सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन पंडित आनंद कुमार मिश्रा एवं पंडित शिवम मिश्रा के सानिध्य में संपन्न कराया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं आयोजन को सफल बनाने में अक्षत मिश्रा और दिव्यांश श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही, जिन्होंने सम्पूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालते हुए कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने व व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।आयोजकों एवं सहयोगियों के प्रयास से सावन के पावन माह में आयोजित यह सामूहिक रुद्राभिषेक श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का विशेष अवसर बना। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार आयोजकों द्वारा व्यक्त किया गया।

यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा अभियान चलाकर कुल 778 वाहनों का किया गया चालान

जौनपुर। घ्जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के पालन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस बल द्वारा सघन चेकिंग की गई। अभियान का प्राथमिक उद्देश्य जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना रहा। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया गया। जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा कुल 778 वाहनों का चालान किया गया।जौनपुर पुलिस आम जनमानस से अपील करती है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और सदैव यातायात नियमों का पालन करें।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1835 दिनों से सत्याग्रह जारी

जौनपुर। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ चलाया जा रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1835वें दिन भी जारी रहा। आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस अनवरत धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया जा रहा है। इस अवसर पर यशवन्त कुमार गुप्त ने स्पष्ट किया कि यह आन्दोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और समस्या के समाधान तक जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। इस अवसर पर इंजीनियर रमेश चन्द्र गुप्ता, बसन्त लाल मौर्य, नन्दलाल रावत, राम बहाल यादव, उपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, विजय प्रकाश मिश्र, उदयराज गौड़, अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, छेदीलाल साहू, नरेन्द्र गिरी, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय, प्रेम प्रकाश मिश्र सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

पीआरडी जवानों ने देखा मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण, 10 जवान सम्मानित

जौनपुर। गोरखपुर के योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र, रामगढ़ताल में आयोजित प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों के सम्मेलन एवं विभिन्न विकास कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम का मंगलवार को जौनपुर में सजीव प्रसारण किया गया। कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में विधायक मड़ियाहू डॉ. आरके पटेल, एमएलसी बृजेश सिंह 'प्रिंसू', भाजपा जिलाध्यक्ष मछलीशहर अजय सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. और मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की मौजूदगी में पीआरडी जवानों एवं अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों के योगदान और जिम्मेदारियों की सराहना करते हुए उनके कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित ग्राम एटर पश्चिम में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास तथा मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया।

जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 10 पीआरडी जवानों को जनप्रतिनिधियों ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विधायक डॉ. आरके पटेल ने कहा कि पीआरडी जवानों के आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए शासन के प्रयास सराहनीय हैं। बहुमंजिला बैरक से जवानों को बेहतर आवासीय सुविधा मिलेगी, जबकि कैशलेस चिकित्सा योजना से जवानों और उनके परिवारों को बेहतर उपचार का लाभ मिलेगा।एमएलसी बृजेश सिंह 'प्रिंसू' ने कहा कि पीआरडी जवान कानून–व्यवस्था, यातायात, आपदा प्रबंधन और विभिन्न महत्वपूर्ण आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष अजय सिंह ने जवानों से निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

सजीव प्रसारण के दौरान कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में मौजूद पीआरडी जवानों में उत्साह का माहौल रहा। जवानों ने शासन की ओर से उनके हित में शुरू की गई योजनाओं के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में पीआरडी जवान मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि

जौनपुर। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, जौनपुर मुदित सक्सेना ने अवगत कराया है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के पंजीकरण अभियान में जनपद जौनपुर ने उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है।

सत्र 2027–28 में कुल 10,078 पंजीकरण के साथ जौनपुर जनपद संपूर्ण उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है। गत सत्र 2026–27 में जनपद से कुल 6,573 अभ्यर्थियों का पंजीकरण हुआ था, जबकि सत्र 2027–28 में यह संख्या बढ़कर 10,078 हो गई है। इस प्रकार एक वर्ष में 3,505 पंजीकरण की वृद्धि दर्ज की गई है, जो लगभग 53.32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। यह उपलब्धि जनपद जौनपुर के लिए गौरव का विषय है। जिलाधिकारी, जौनपुर के मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में जिला प्रशासन तथा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किए गए समन्वित एवं निरंतर प्रयासों ने इस अभियान को प्रभावी गति प्रदान की। पात्र एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों तक जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की जानकारी पहुंचाने, अभिभावकों में जागरूकता उत्पन्न करने तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करने हेतु विद्यालय स्तर तक व्यापक प्रयास किए गए।

पंजीकरण अभियान की सफलता में जिला प्रशासन, बेसिक शिक्षा विभाग, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं अन्य संबंधित कार्मिकों की सक्रिय, समर्पित एवं सामूहिक भूमिका रही। इन सभी के समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि जौनपुर ने गत वर्ष की तुलना में पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए संपूर्ण उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। जवाहर नवोदय विद्यालय, जौनपुर के प्राचार्य मुदित सक्सेना ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि "जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का प्रत्येक पंजीकरण केवल एक संख्या नहीं, बल्कि किसी ग्रामीण प्रतिभा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। 6,573 से बढ़कर 10,078 पंजीकरण होना तथा संपूर्ण उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करना जनपद के सामूहिक प्रयास, प्रभावी समन्वय और ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।" उन्होंने जिलाधिकारी, जौनपुर के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए विशेष आभार व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं बेसिक शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों की सराहना की। साथ ही उन्होंने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों, ब्लॉक प्रभारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अभियान से जुड़े सभी सहयोगियों को इस उपलब्धि का सहभागी बताया। प्राचार्य ने कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास का वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जौनपुर जनपद भविष्य में भी इसी सामूहिक भावना एवं समन्वित प्रयासों के साथ आगे बढ़ते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की दिशा में और अधिक प्रभावी प्रयास करेगा। यह उपलब्धि केवल पंजीकरण संख्या में वृद्धि नहीं, बल्कि जौनपुर की ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रति जनपद की सामूहिक प्रतिबद्धता तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों की महत्वपूर्ण सफलता है।

मुफ्त राशन वितरण की तारीख बढ़ी, अब 25 अगस्त तक मिलेगा मुफ्त खाद्यान्न

जौनपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के तहत अगस्त 2026 के लिए आवंटित निःशुल्क खाद्यान्न के वितरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 25 अगस्त कर दी गई है। पहले खाद्यान्न वितरण की अवधि 5 से 18 अगस्त 2026 तक निर्धारित थी। कांवड़ यात्रा के कारण कुछ जिलों में खाद्यान्न के उठान और वितरण में हुई बाधा को देखते हुए शासन ने यह निर्णय लिया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले की सभी उचित दर दुकानों पर वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।अंत्योदय राशन कार्डधारकों को कुल 35 किलोग्राम निःशुल्क खाद्यान्न दिया जाएगा। इसमें 10 किलोग्राम गेहूं और 25 किलोग्राम चावल शामिल है। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड से जुड़े प्रत्येक यूनिट पर पांच किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा, जिसमें एक किलोग्राम गेहूं और चार किलोग्राम चावल होगा। निःशुल्क खाद्यान्न वितरण के दौरान 25 अगस्त तक पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उचित दर विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी के माध्यम से राशन का वितरण कर सकेंगे। 18 अगस्त की निर्धारित तिथि तक आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन प्राप्त नहीं कर पाने वाले उपभोक्ताओं को 25 अगस्त तक मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा दी जाएगी। जिला पूर्ति विभाग ने सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि नई ई–वेइंग लिंक्ड ई–पॉस मशीनों के माध्यम से 25 अगस्त तक नियमानुसार निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। वितरण पर्यवेक्षणीय अधिकारियों की मौजूदगी में कराया जाएगा। साथ ही सभी राशन दुकानों पर योजना से संबंधित सूचना चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई पात्र लाभार्थी खाद्यान्न से वंचित न रह जाए।

बूढ़वा मंगल पर महावीर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, बजरंगबली के दर्शन को लगी भक्तों की लंबी कतारें

सिकरारा जौनपुर ।बूढ़वा मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को अजोसी स्थित श्री पावन महावीर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बजरंगबली के दर्शन–पूजन के लिए मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। दूर–दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।भक्तों ने भगवान हनुमान का विधिवत पूजन–अर्चन कर सिंदूर, फूल–माला और प्रसाद अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने बजरंगबली से सुख–शांति, समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। मंदिर में दर्शन–पूजन का सिलसिला देर तक चलता रहा।

इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था की गई थी। बूढ़वा मंगल पर उमड़ी भीड़ ने क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना दिया।

जय मां शारदा।
शुक्ला मैरिज हाल
मिर्जापुर रोड मरियाहू रोड जौनपुर
वृंदावन पैलेस एवं मैरिज हाल शादी विवाह इंगेजमेंट बर्थडे पार्टी मीटिंग एवं अन्य शुभ अवसरों के लिए संपर्क करें एक बार सेवा का अवसर दीजिए
जयेंद्र कुमार शुक्ला मुन्ना शुक्ला
(प्रोपराइटर)
मो.न. 9838998491, 9793787559, 8840610896

कमरे में लटकता मिला युवती का शव

केराकत जौनपुर। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी पुरानी बाजार में एक युवती का शव घर के कमरे में फंदे से लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना डायल 112 पर दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थानागद्दी के पुरानी बाजार निवासी सुनील सेठ की 24 वर्षीया पुत्री शीतल सेठ का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। घटना की सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।युवती ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दस दिवसीय प्रशिक्षण के लिए आन लाइन आवेदन आमंत्रित

जौनपुर । डिप्टी कमिश्नर इण्डस्ट्रीज, जौनपुर ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ''विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना'' वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत जनपद में ट्रेड– दर्जी में दस दिवसीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र आनलाइन वेबसाइट ूकपनचउेउम.नचेकब.हवअ.पद पर 15 अगस्त 2026 तक प्राप्त आवेदनों का स्कोर कार्ड के आधार पर चयन किया जाना है। समस्त आवेदको को सूचित किया जाता है कि अपने वास्तवित अभिलेख (शैक्षिक योग्यता, आयु प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र, अनुभव प्रमाण–पत्र) के साथ कार्यालयः– उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर में 19 अगस्त एवं 20 अगस्त 2026 को समय प्रातः 11रू00 बजे से सायं 04रू00 बजे तक साक्षात्कार हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में हुआ।रोवर्स–रेंजर्स परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने नेताजी के जीवन, संघर्ष, अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।डॉ. यादव ने कहा कि नेताजी ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने साहस और नेतृत्व से देशवासियों में स्वाधीनता की भावना को मजबूत किया। उनका जीवन त्याग, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

कार्यक्रम में उत्कर्ष सिंह, आर्यन, संतोष, मुन्ना रावत सहित एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। सभी ने नेताजी के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

एनडीपीएस एक्ट में दोषी को सजा और 18 हजार रुपए का जुर्माना

जौनपुर। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत जौनपुर पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए सजा सुनाई।अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम, जौनपुर की अदालत ने 18 अगस्त 2026 को राजकुमार गौड़ उर्फ लल्लन पुत्र बेचन गौड़ निवासी भिवरहा खुर्द, थाना खुटहन, जौनपुर को धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियुक्त को जेल में बिताई गई अवधि के कारावास तथा 18 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने की स्थिति में अभियुक्त को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस के अनुसार, प्रभावी विवेचना और न्यायालय में मजबूत पैरवी के चलते यह सजा संभव हुई है

एक अंतर्जनपदीय चोर गिरफ्तार, कब्जे से 01 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

जौनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा–निर्देशन, व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के कुशल पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष सरपतहाँ के नेतृत्व में थाना सरपतहां पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक–18.06.2026 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0–273ध्2026 धारा–317(2),317(4),317(5),318(4),338,336(3),340(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित 01 अभियुक्त रविकान्त पाल पुत्र रामकिशोर पाल निवासी लेदौरा थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़ को मय चोरी की 01 मोटर साइकिल न0 भ्त26 ।ब्7369 के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण 1.रविकान्त पाल पुत्र रामकिशोर पाल निवासी लेदौरा थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़ । पंजीकृत अभियोग का विवरण मु0अ0सं0–273ध्2026,धारा–317(2) ,317(4),317(5),318(4),338,336(3),340(2)बी0एन0एस0 थाना सरपताह जनपद जौनपुर।गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास 1.मु0अ0सं0 273ध्2026 धारा 317(2),317(4) , 317 (5) ,318(4) ,338 , 336(3) , 340(2) बी0एन0एस0 थाना सरपतहा जनपद जौनपुर।

2.मु0अ0सं0 222ध्23 धारा 3ध्25 शस्त्र अधि0, थाना अहरौला जनपद आजमगढ़ ।3.मु0अ0सं0 223ध्23 धारा 406, 504, 506 भादवि थाना अहरौला जनपद आजमगढ़ ।4.मु0अ0सं0 200ध्26 धारा 305(2)ध्331(4),317(2) बीएनएस थाना सरपतहा जौनपुर । 5.मु0अ0सं0 266ध्26 धारा 305(2)ध्331(4),317(2) बीएनएस थाना सरपतहा जौनपुर। 6.मु0अ0सं0133ध्20 धारा 406, भादवि थाना कन्धरापुर जनपद आजमगढ़ ।बरामदगी का विवरण 01 मोटरसाईकिल न0 भ्त26 ।ब्7369, चेसिस नम्बर . डठस्ॅ।4135भ्ळ11234. इंजन नम्बर भ्।11थ्25भ्ळ00385 व चोरी के रूपये कुल 6200 रूपये गिरफ्तारीध्बरामदगी करने वाली पुलिस टीम 1.उ0नि0 चन्द्रमा पान्डेय, थाना सरपतहा जनपद जौनपुर। 2.का0 रामप्रवेश चौहान , थाना सरपतहा जनपद जौनपुर। 3.रि0का0 बृजेश कुमार, थाना सरपतहा जनपद जौनपुर। 4.रि0का0 शिवम कुशवाहा, थाना सरपतहा जनपद जौनपुर।

अपहरण का वांछित आरोपी गिरफ्तार अपहृता बरामद

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना पुलिस ने अपहरण के मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मुकदमे से संबंधित अपहृता को भी बरामद किया है। आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर गंगासागर मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 18 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर ग्राम राजेपुर से आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान किशन कन्नौजिया (30) पुत्र स्व. संजय कन्नौजिया, निवासी वार्ड नंबर–7 बांसगांव, थाना कोतवाली बांसगांव, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ गौराबादशाहपुर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 236ध्26, धारा 137(2)ध्87 बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष गंगासागर मिश्र, उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह, कांस्टेबल अंकित सिंह, कांस्टेबल नौसाद हुसैना और महिला कांस्टेबल आंचल चौरसिया शामिल रहीं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी और बरामदगी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के दिशा–निर्देशों का पालन किया गया।

स्वामी मुद्रक ,संपादक विजय प्रकाश मिश्र,प्रकाशक कुसुम देवी द्वारा चेतना आफसेट पंचहटिया जौनपुर उ0प्र0 से छपवाकर राजा सिंगरामऊ कोठी ओलन्दगंज जौनपुर, उ0प्र0 से प्रकाशित । मो 7376885230 EMAIL: janvicharjnp@gmail.com RNI No. UPHIN/2009/27689